RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 224 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 03 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

गोंडा में बड़ा हादसा : नहर में गिरी श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो

एक ही परिवार के 9 सदस्यों समेत 11 की दर्दनाक मौत

सीएम योगी ने जताया शोक

गोंडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में भीषण हादसा हो गया। यहां एक बोलेरो अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, एक लापता है। जबकि, तीन लोगों को बचा लिया गया है। मरने वालों में नौ लोग एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।

हादसा इटियाथोक के बेलवा बहुता नहर के पास हुई। बोलेरो सवार सभी लोग पृथ्वीनाथ मंदिर जलाभिषेक के लिए जा रहे थे। ये लोग मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव के रहने वाले थे। गाड़ी में 15 लोग सवार थे। पानी में डूबने से 11 की मौत हो गई। जबकि, एक लापता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना का संज्ञान लेकर शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। घायलों के समुचित उपचार के भी निर्देश दिए हैं।

बताया जा रहा है कि हादसे के समय हल्की बारिश हो रही थी। नहर के किनारे की सड़क फिसलन भरी थी और बेहद संकरी भी। बोलेरो को साइड से गुजारने की कोशिश के दौरान अचानक वाहन फिसलकर नहर में पलट गया। वाहन पानी में पूरी तरह डूब गया। इससे सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आज सुबह करीब 6.00 बजे एक जोर की आवाज सुनाई दी। कुछ ही देर में लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि बोलेरो नहर में समा चुकी थी। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और खुद भी बचाव कार्य में जुट गए। बाद में प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम ने मोर्चा संभाला।

हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एनडीआरएफ की टीम, पुलिस बल और स्थानीय गोताखोरों ने शवों की तलाश शुरू की। अब तक 11 शव बरामद किए जा चुके हैं। एक व्यक्ति की तलाश अब भी जारी है, जबकि तीन लोग किसी तरह बाहर निकलकर बच गए।

घटना में मृत श्रद्धालुओं की शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासन ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

सीहागांव में जैसे ही यह खबर पहुंची, वहां कोहराम मच गया। एक ही गांव के 11 लोगों की मौत से हर आंख नम है। परिवारों में चीख-पुकार मची है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। मृतकों के घरों में रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल और घटनास्थल दोनों जगह उमड़ रही है।

डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। राहत व बचाव कार्य जारी है। मृतकों के परिवार को हर संभव सहायता दी जाएगी। लापता व्यक्ति की खोज के लिए एनडीआरएफ और स्थानीय टीम लगातार प्रयास कर रही है।

एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। हादसे की जांच कराई जा रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि हादसे के कारणों की सही जानकारी मिल सके।

तेजस्वी यादव ने 2 वोटर कार्ड बनवाए?

चुनाव आयोग के बाद दो EPIC नंबर पर भाजपा ने भी घेरा

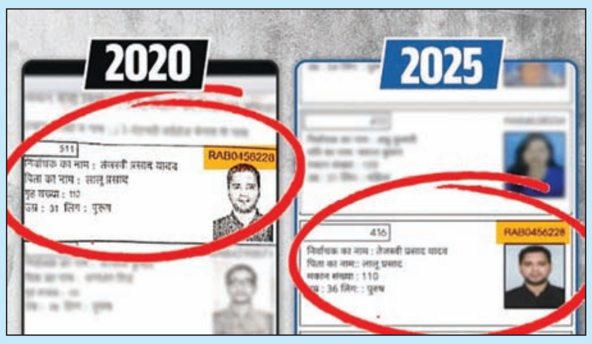

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के मामले पर खूब हंगामा जारी है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम ही मतदाता सूची से गायब है और उन्होंने चुनाव आयोग की एसआईआर की पूरी कवायद को सवालों के घेरे में खड़ा करने की कोशिश की। हालांकि चुनाव आयोग ने तुरंत स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी यादव का नाम नहीं कटा है और वोटर लिस्ट जारी कर दी। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम से पता चला कि तेजस्वी यादव के दो EPIC नंबर हैं। भाजपा ने तुरंत इस मुद्दे को लपकते हुए सवाल किया कि क्या तेजस्वी यादव के पास दो वोटर आईडी कार्ड हैं?

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, तेजस्वी यादव के पास दो मतदाता पहचान पत्र थे तो क्या उनके पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं? सर्वोच्च नेता के पास 2 EPIC नंबर हैं, तो कार्यकर्ता का हाल क्या होगा? क्या इसीलिए वे एसआईआर से डरते हैं? कांग्रेस और राजद के नेता और उनके कार्यकर्ता, जो बूथ कैप्चरिंग और गुंडागर्दी के दम पर जीतने के आदी थे, उनका पूरा खेल उजागर हो गया है।

संबित पात्रा ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस और राजद चुनाव आयोग पर तीखा हमला कर रहे हैं, वह भारत को बदनाम करने की एक साजिश है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची के बारे में मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने रोते हुए कहा कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो क्या वह बिहार चुनाव में हिस्सा ले सकेंगे? इसके बाद, चुनाव आयोग और पटना डीएम ने सच्चाई उजागर की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का नाम और मतदाता पहचान पत्र संख्या मौजूद है, और एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची से उनका नाम नहीं काटा गया है। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि मतदाता सूची में क्रमांक 416 पर जिस मतदाता पहचान पत्र संख्या से उनका नाम प्रकाशित हुआ था, वह वही है जो उन्होंने 2020 के चुनावों के दौरान अपने नामांकन पत्र में लिखा था। इसका मतलब है कि उसके पास दो EPIC नंबर थे। क्या उसके पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं?

संबित पात्रा ने सवाल उठाया कि तेजस्वी यादव ने दो जगहों पर वोट डाला। तो सोचिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता क्या कर रहे होंगे। इसीलिए वो इतने घबराए हुए हैं। क्या तेजस्वी यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में नामांकन के दौरान गलत हलफनामा दाखिल किया था? क्या उन्होंने शपथ लेकर झूठ बोला था?

ग्रीन व्यू अपार्टमेंट में अचानक भरभराकर गिरी सीढ़ियां

गाजियाबाद (एजेंसी)। वसुंधरा सेक्टर-17 के ग्रीन व्यू अपार्टमेंट में तीसरे फ्लोर से छत की ओर जा रहीं सीढ़ियां आज तड़के सुबह 4.30 बजे भरभराकर गिर गईं। गनीमत रही की कोई हादसा नहीं हुआ। इसके बाद से ही यहां के लोगों में डर का माहौल है।

वहीं, सीढ़ियों के टूटने के बाद से एक परिवार फंसा हुआ है। अभी तक आवास विकास का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है।

आवास विकास परिषद द्वारा बसाई गई ग्रीन व्यू अपार्टमेंट के 10-ब्लॉक में करीब 450 फ्लैट हैं। वर्तमान में सभी फ्लैट में लोग रह रहे हैं। रविवार तड़के सुबह लोग सोए हुए थे।

करीब चार बजे एच-100 ब्लाक में तीसरे फ्लोर से छत की ओर जा रहीं करीब 12 सीढ़िया भरभराकर गिर गईं। करीब 80 प्रतिशत हिस्सा नीचे गिर गया।

लोगों का कहना है कि अगर दिन होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। रात होने व लोग बाहर न होने के कारण बड़ा हादसा होने से बच गया। इससे किसी की जान भी जा सकती थी।

लोगों ने बताया कि करीब 30 वर्ष पहले बसी सोसायटी में आवास विकास परिषद मेंटेनेंस कार्य नहीं कराते हैं। मेंटेनेंस के अभाव में ही सीढ़िया टूटकर गिरी हैं।

सोसायटी के ज्यादातर ब्लॉक की सीढ़ियां भी जर्जर हालत में हैं। वहीं, बिल्डिंग भी मेंटेनेंस जर्जर हो रही है। लोगों का कहना है कि आवास विकास से लगातार मेंटेनेंस की मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्य नहीं कराया जा रहा है।

पुलिस को बेहतर आवासीय सुविधा दी जा रही है : योगी

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग में 1494 चयनित कर्मियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित 1494 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सभागार में हो रहा है। कार्यक्रम में सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इससे पहले डीजीपी राजीव कृष्णा ने सीएम को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।

60244 सिपाहियों की भर्ती के बाद उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा पुलिस के आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के तहत दूरसंचार विंग में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा कराया था। इसके आधार पर ही सहायक परिचालकों और कर्मशाला कर्मचारियों का चयन किया गया है। जिन लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा, उनमें 1314 सहायक परिचालक और 120 कर्मशाला कर्मचारी शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अभी और 30 हजार भर्ती के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके काम चल रहा है। हमने प्रदेश में पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता बढ़ाई है। पहले मिलिट्री और अर्ध सैनिक बलों के ट्रेनिंग सेंटर लेने पड़ते थे। आज 60244 पुलिस के सिपाही अपने ही सेंटर पर ट्रेनिंग कर रहे हैं।

किसी के ट्रेनिंग सेंटर को हायर नहीं किया गया। पुलिस को बेहतर आवासीय सुविधा दी जा रही है। कई जिलो में पुलिस लाइन नहीं थी। हम लोगों ने पुलिस लाइन बनाई। 1970-71 से यूपी में पुलिस कमिश्नरी बनाने की मांग की जा रही थी। इस पर भी हमने निर्णय लिया। आज सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था चल रही है।

सीएम ने आगे कहा आज यूपी पुलिस देशभर में उदाहरण बनी हुई है। हर भारतवासी आज स्वीकार करता है कि यूपी में कानून व्यवस्था सही हुई है। महाकुंभ जैसे आयोजन में यूपी पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और उसके व्यवहार से इतना भव्य आयोजन सफल हुआ।

आज हम उस दौर में आ चुके हैं, जब देश स्वतंत्र है। पुलिस को आम नागरिक के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा। प्रदेश की आधी आबादी को किनारे करके हम विकास नहीं कर सकते, इसीलिए यूपी पुलिस में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने का सपना देखा था। आज वह भी सफल हुआ है।

सीएम ने आगे कहा कि यूपी पुलिस में 20 फीसदी अग्निवीरों को भर्ती करेंगे। हमें ट्रेंड नौजवान मिलेंगे। जिस ट्रेड में वह जाना चाहेंगे, उसी ट्रेड में उन्हें भर्ती किया जाएगा। जिन लोगों को आज नियुक्ति पत्र मिला है उनको नसीहत देते हुए सीएम ने कहा कि आपका फार्म लेने से लेकर आज नियुक्ति पत्र मिलने तक सरकार ने आपको पारदर्शी तरीके से भर्ती किया गया है। आपको एक पैसा भी नहीं देना पड़ा है। सरकार को भी आपसे यही उम्मीद है कि आप अपने काम में पूरी ईमानदारी बरतें।

जेपी के खरीदारों का पीएम हाउस ने लिया संज्ञान

20 हजार से अधिक खरीदारों को मिलेगी राहत

नोएडा (चेतना मंच)। जेपी इंफ्राटेक की अलग-अलग परियोजनाओं में 20 हजार से अधिक खरीदार फंसे हुए हैं। जेआईएल रियल एस्टेट अलाटीज़ वेलफेयर सोसाइटी (जेआरईएडब्ल्यूएस) की शिकायत का पीएमएच (प्रधानमंत्री आवास) से संज्ञान लिया गया है।

यह शिकायत ईमेल के माध्यम से की गई थी। इसमें जेपी की परियोजनाओं में समाधान योजना के प्रस्तावों का पालन नहीं करने की बात कही गई थी। बीते दिनों खरीदारों ने इससे संबंधित 11 बिंदुओं पर ज्ञापन मुख्य सचिव को सौंपा था। ज्ञापन सौंपने के कुछ दिन बाद वह सेवानिवृत्त हो गए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने बताया जेपी की परियोजनाओं में निर्धारित 12 हजार की जगह पांच हजार कामगार कार्य कर रहे हैं। मई 2024 से 90 दिनों के भीतर तीन हजार करोड़ रुपये के निर्माण कोष का निवेश अभी नहीं किया गया है।

परियोजनाएं कब तक पूरी होंगी इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। यमुना प्राधिकरण के सीईओ से भी इस संबंध में शिकायत दी गई। उनकी ओर से कोई हल नहीं हुआ। मुख्य सचिव को ज्ञापन दिया। वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

पीएम आवास पर लगातार ईमेल के माध्यम से शिकायत की जा रही थी। मिलने का समय मांगा जा रहा था। ईमेल का संज्ञान लेकर खरीदारों से पीएम आवास की ओर से फोन से संपर्क किया गया है। जल्द मुलाकात करने की भी बात कही है।

देश के किसानों के लिए मसीहा हैं प्रधानमंत्री मोदी : महेश चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी होने के साथ ही देशभर के किसानों में उत्साह की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से लाइव कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 10 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 20,500 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की।

नोएडा के सेक्टर-88 स्थित फूल मंडी में जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष ओमवीर अवाना के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर किया गया, जिसमें जिले के सैकड़ों किसान शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के किसानों के लिए मसीहा साबित हो रहे हैं। आज बिचौलियों को हटाकर किसानों को सीधी आर्थिक सहायता दी जा रही है, जो स्वच्छ और पारदर्शी व्यवस्था की मिसाल है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हमेशा गांव, गरीब और किसान को प्राथमिकता दी है। पीएम किसान योजना किसानों के आत्मबल और आत्मनिर्भरता को मजबूत करती है, जिससे खेती-किसानी और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है।

इस अवसर पर प्रदेश सह मीडिया प्रभारी किसान मोर्चा अमित त्यागी, मंडी समिति मेरठ के डिप्टी डायरेक्टर राजीव राय, मंडी सचिव पंकज शर्मा, इंद्राज खटाना, रोहित शर्मा, पप्पू प्रधान, चरण सिंह, नीरज चौधरी, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, उज्ज्वल सिंह, अर्पित मिश्रा, राहुल शर्मा, राम मेहर कौशिक, बबलू यादव, दुर्गेश तंवर, राकेश सिंह, देवेंद्र भदौरिया, अतुल त्यागी, उमेश भाटी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्वच्छता में इस बार 7 स्टार लाना हमारा लक्ष्य : डॉ लोकेश एम

नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन ने किया सीईओ, एसीईओ व जीएम को सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। भारत सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में नोएडा को अपनी श्रेणी में देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया और साथ ही गोल्डन सिटी का अवार्ड भी प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (NEA) द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एसीईओसंजय खत्री और वरिष्ठ महाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) एस.पी. सिंह को सम्मानित किया गया।

एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने कहा कि डॉ. लोकेश एम के नेतृत्व में नोएडा ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं जैसे कम्यूनिटी किचन, देव दीपावली-2024, क्रीसेंथेम शो, पतंग महोत्सव, नोएडा कनेक्ट, फ्लावर शो, वाटर प्लस सिटी की मान्यता, स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में रैंकिंग, स्वच्छता सुपर लीग अवार्ड, आदि। यह उपलब्धियां नोएडा को 'ब्रांड सिटी' के रूप में स्थापित कर रही हैं।

डॉ. लोकेश एम ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य 7 स्टार रेटिंग प्राप्त करना है। नोएडा अब सिर्फ एक शहर नहीं, एक ब्रांड बन चुका है। हम वेस्ट मैनेजमेंट के लिए अत्याधुनिक मशीनें लाएंगे और शहर को जाम मुक्त, स्वच्छ और सुविधाओं से युक्त बनाए रखने का प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी नागरिकों व उद्यमियों के सहयोग से नोएडा को हर दृष्टि से अव्वल बनाए रखने का काम निरंतर चलता रहेगा।

इस मौके पर एनईए के वरिष्ठ पदाधिकारी—महासचिव वी.के. सेठ, पूर्व अध्यक्ष राकेश कत्याल, योगेश आनंद, प्रदीप मेहता, राकेश कोहली, धर्मवीर शर्मा, मुकेश कक्कड़, शरद चंद्र जैन, संदीप विरमानी, आर.एम. जिंदल, सुधीर श्रीवास्तव, मो. इरशाद, अजय सरीन, कमल कुमार, आलोक गुप्ता, राहुल नैय्यर, राजन खुराना, वीरेन्द्र नरूला, मयंक गुप्ता और नीरू शर्मा सहित बड़ी संख्या में उद्यमी शामिल रहे।

हर्जाने का हिसाब

मानसून का मंत्रिमंडल सत्र तो हो गया, अब विधानसभा सत्र के आगाज की तिथि एवं मजमून तैयार हो रहा है। जाहिर है आपदा के वक्त सरकार की भूमिका और सियासत की परिभाषा में संगत होनी चाहिए, लेकिन बादल फटने का मूड और खड्डों के किनारे टूटने का उसूल बदल गया। हिमाचल इसी मानसून से बहुत कुछ देख रहा है-कहीं पानी पुलों के ऊपर, तो कहीं शहर की गलियां खड्डें बन रही हैं। ऐसे में राहत के न परचम और न ही पांव गिने जाएंगे, फिर भी मंत्रिमंडल की बैठक के सारे उद्बोधन आश्वासन दे रहे हैं कि टूटे घरों की खिड़कियां, पुनः देख पाएंगी अपनी राहत की नींव और सरकार की इच्छाशक्ति की छत करीब आएगी। सरकार टूटे घर को सात लाख और क्षतिग्रस्त को एक लाख हर्जाना देने का हिसाब लगा रही है। मंत्रिमंडल के चार दिन, कई घरों, बेरोजगारों और कर्मचारी इश्तिहारों पर सपने लिख गए। तीन लाख सालाना आय तक, करुणामूलक नौकरी की पात्रता का संदेश कई परिवारों के उजड़े दरिया में समुद्र खोज लाएगा, तो नर्सिंग पाठ्यक्रम में बढ़ती सीटों के आगोश में अभिभावक अपनी औलाद के सपनों को हकीकत में बदल पाएंगे। जाहिर है कई फैसले आवश्यकतानुरूप लिए गए, कई आशा बढ़ाने को लिए गए और कई कारनामा दिखाने को लिए गए, लेकिन प्रदेश के गाल थपथपाने के लिए भी कई सुर्खियां सामने आई हैं। मंत्रिमंडल के सामने आपदा के खुले दरवाजे, विपक्ष की गश्त, बेरोजगारों की कतार, विकास की गुहार और प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा के उद्गार लगातार सुने गए, तो हिमाचल के संसाधनों की देखरेख में सियासत के बिल्ले चमकाने की भी आहट रही। इसलिए हिमाचल में अब लॉटरी के खेल-खेल में सौ करोड़ जुटाए जाएंगे यानी शराब के धंधे के बाद लॉटरी का चस्का, प्रदेश के खजाने का रुतबा बढ़ाएगा। अगर पड़ोस में लॉटरी का वसंत काम आया, तो हमारे आंगन में पतझड़ क्यों रखी जाए। चार दिन में भर्तियों की टोकरियां भरी गईं, तो पर्यटन निवेश के जरिये रोजगार को आमंत्रित किया जा रहा है। टूरिज्म क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहन परिषद का गठन एक नई हुंकार पैदा कर रहा है। देखना होगा कि कितने कदम लेकर परिदृश्य में नया चमन करवट लेता है। सोलन-सिरमौर में सेटेलाइट टाउन बनाने की उमंग से आवासीय जरूरतों को शगुन मिलने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन पूरे प्रदेश के नक्शे से निकल कर रीयल एस्टेट का जादू चंडीगढ़ के आसपास जिस रफ्तार से बढ़ा है, वहां हिमाचल को शहरीकरण की संपूर्णता में पढना होगा। बसा-बसाया बीबीएन अगर हर रात यहां के शहरीकरण से एक शहर चुराकर रोज चंडीगढ़ की ओर निकल जाता है, तो समझना यह भी होगा कि कहां बस्ती और मंजिल बनानी पड़ेगी। हिमाचल में मोहाली व पंचकूला की तर्ज पर ऊना में एक बड़े शहर की गुंजाइश की भी परख होनी चाहिए। सियासी तौर पर शहरी निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण की पहल से कांग्रेस के राष्ट्रीय मंसूबों का स्थान पक्का किया जा रहा है। हैरानी बस यही है कि मंत्रिमंडल की बैठक और बाहर की चहल पहल में कहीं अंतर पैदा हो रहा है। हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रदेश में रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की मांग करते हैं, लेकिन इधर केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर के ईंट-पत्थरों पर एतबार नहीं करते। मंत्रिमंडल केंद्रीय विश्वविद्यालय के देहरा परिसर को उन्नीस करोड़ का पानी पिलाने के लिए उदारता दिखाता है, लेकिन जदरांगल परिसर के अस्तित्व के लिए तीस करोड़ के भुगतान पर खामोश रहता है। जदरांगल परिसर को लेकर उदासीनता की सूची में धूमल व जयराम सरकारों के बाद सुक्खू सरकार भी शामिल हो गई है, यह अब स्वीकार कर लेना चाहिए। भले ही पर्यटन निगम के दफ्तर ने कश्मीर हाउस परिसर को निजी हाथों में जाने से रोक लिया, मगर धर्मशाला के शैक्षणिक माहौल को शिफ्ट करने के लिए सीयू कैंपस का खेल जारी है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उस अवसर पर जो जिस प्रकार आया और जिसके मन को जो अच्छा लगा, राजा ने उसे वही दिया। हाथी, रथ, घोड़े, सोना, गायें, हीरे और भाँति-भाँति के वस्त्र राजा ने दिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-मन संतोषे सबन्हि के जहँ तहँ देहिं असीस।
सकल तनय चिर जीवहुँ तुलसिदास के ईस॥

राजा ने सबके मन को संतुष्ट किया। (इसी से) सब लोग जहाँ-तहाँ आशीर्वाद दे रहे थे कि तुलसीदास के स्वामी सब पुत्र (चारों राजकुमार) चिरजीवी (दीर्घायु) हों॥

कछुक दिवस बीते एहि भाँती। जात न जानिअ दिन अरु राती॥
नामकरन कर अवसरु जानी। भूप बोलि पठए मुनि ग्यानी॥

इस प्रकार कुछ दिन बीत गए। दिन और रात जाते हुए जान नहीं पड़ते। तब नामकरण संस्कार का समय जानकर राजा ने ज्ञानी मुनि श्री वशिष्ठजी को बुला भेजा॥

करि पूजा भूपति अस भाषा। धरिअ नाम जो मुनि गुनि राखा॥
इन्ह के नाम अनेक अनूपा। मैं नृप कहब स्वमति अनुरूपा॥

मुनि की पूजा करके राजा ने कहा- हे मुनि! आपने मन में जो विचार रखे हों, वे नाम रखिए। (मुनि ने कहा-) हे राजन! इनके अनुपम नाम हैं, फिर भी मैं अपनी बुद्धि के अनुसार कहूँगा॥

(क्रमशः...)

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस 'भगवा आतंकवाद' की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी।

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रुवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया

गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की जरूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दाफाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी।

इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है।

इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया- 'आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है' इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है।

वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को 'खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे?

मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दर्शाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पस्त या पराजित नहीं। सत्यमेय जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है। भगवा वस्त्रों पर लगे झूठे दाग अब धुल चुके हैं, अब समय है संस्कृति के गौरव को फिर से स्थापित करने का।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्ट्रीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बड़े तनाव में हुए

सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की प ?ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है।

इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह 'मिशन गगनयान' को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है।

मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी 'गगनयान मिशन' को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

- डॉ. रमेश ठाकुर

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, नवमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन दायक समय। कुटुंब में वृद्धि होगी। अनेकों तरह की परेशानियां सॉल्व होंगी इन दिनों। स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक अलग तेज। एक अलग आकर्षण आ गया है आपमें। जो चाह रहे हैं वो हो रहा है और जैसा सोच रहे हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति दूरी वाली।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आर्थिक लाभ होगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य पहले से काफी बेहतर होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक स्थिति बहुत उतरोतर वृद्धि करेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितयां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रोगग्रस्त हो सकते हैं। छोटी-मोटी परेशानियां परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। जीवन में बुद्धि के कारण बहुत आगे बढ़ रहे हैं आप।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

किसानों के हित में काम रही सरकार : डा. महेश शर्मा

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का किसानों को मिल रहा लाभ

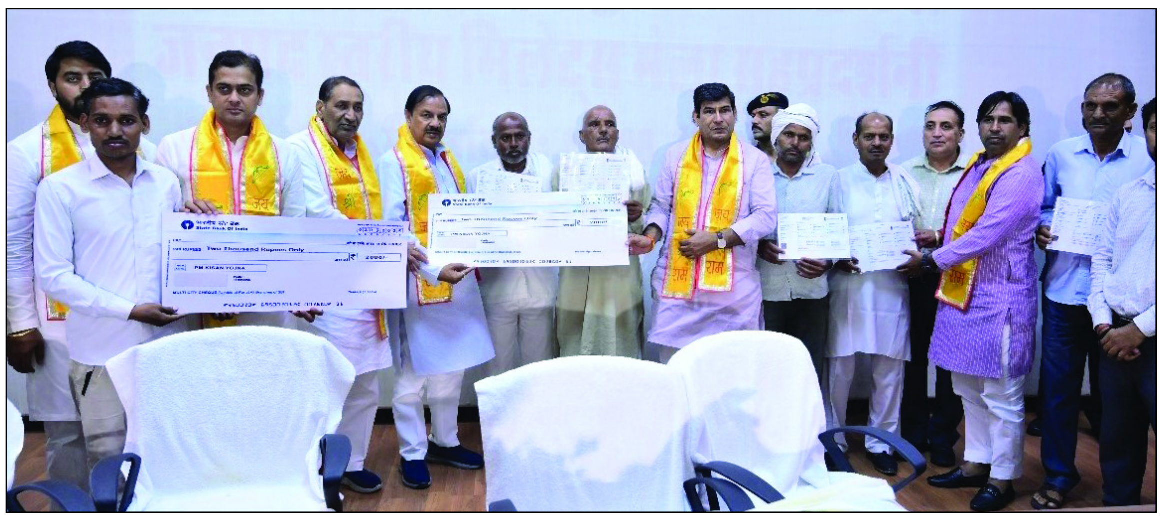

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी करने के अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएम मोदी का संबोधन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव प्रसारित किया गया, जिसे बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक सुना।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे। उनके साथ एमएलसी श्रीचंद शर्मा, विधायक दादरी तेजपाल नागर, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, ब्लॉक प्रमुख विजेंद्र भाटी, जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी समेत अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में किसानों को न केवल योजना का लाभ प्रदान किया गया, बल्कि उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की कृषि योजनाओं और तकनीकी नवाचारों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत मिलेट्स मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया, जिसमें कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, जैविक खेती आदि से जुड़े संस्थानों ने अपने स्टॉल लगाए।

डॉ. महेश शर्मा ने दो किसानों को कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत प्रतीकात्मक रूप से ट्रैक्टर की चाबियाँ सौंपीं, 10 किसानों को सॉइल हेल्थ कार्ड और प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार किसान के साथ खड़ी है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ पात्र किसानों को मिल रहा है।

कार्यक्रम में जिले भर से आए किसानों ने भाग लिया। उन्हें योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला प्रशासन व कृषि विभाग की ओर से सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया गया।

सेक्टर-34 में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री संग्रह अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित नर विहार अपार्टमेंट में शनिवार को बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु एक राहत सामग्री संग्रह कैम्प का आयोजन किया गया। यह पहल गूँज संस्था से जुड़ी अपार्टमेंट निवासी पूर्णामृता जामवाल और तारिणी भारद्वाज द्वारा की गई।

फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए के महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस अभियान के तहत सेक्टरवासियों ने कपड़े, जूते-चप्पल, किताबें, राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं जुटाईं। एकत्रित सामग्री गूँज संस्था के माध्यम से देश के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में भेजी जाएगी। आयोजन को लेकर निवासियों में सेवा और सहयोग की भावना देखने को मिली।

ग्रीनबे इंफ्रास्ट्रक्चर मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रीनबे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से जारी वाद में सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रोमोटर द्वारा अपनी टाउनशिप टीएस- 06 के लिए शून्य कॉल का लाभ प्राप्त करने के आवेदन पर पुनरीक्षण प्राधिकारी को अगले चार सप्ताह में निर्णय लेने का आदेश दिया है।

यमुना प्राधिकरण को अब चार सप्ताह में निर्णय लेना होगा। इसके अतिरिक्त हाई कोर्ट द्वारा उपरोक्त विषय के सूचीबद्ध होने की अगली तिथि तक यमुना प्राधिकरण के आठ जुलाई को जारी किए गए पूर्व आदेश पर स्थगन आदेश जारी करते हुए यथास्थिति बनाए रखने और प्रोमोटर पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश भी दिया है।

ग्रीनबे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के परियोजना निदेशक अमित शर्मा ने बताया कि आवंटित भूखंड पर किसानों का कब्जा होने के कारण प्रोमोटर को 2019 तक पूर्ण कब्जा प्राप्त नहीं हो सका था।

इस कारण उत्तर प्रदेश नियोजन तथा विकास अधिनियम 1973 की धारा 41(3) के तहत जीरो पीरियड लाभ के लिए बकाया धनराशि के रिवीजन का आवेदन किया था।

शुक्र बाजार को सर्विस रोड पर शिफ्ट करने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए के साथ बैठक की। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने सेक्टर में वेंडर जोन को सीमित कर शुक्र बाजार को सर्विस रोड पर शिफ्ट करने के लिए कहा। शुक्र बाजार की वजह से सेक्टर में जाम की समस्या बढ़ती है। सेक्टर में सिंचाई नाले को ढ़कने और पार्कों में लाइटिंग फव्वारे लगाने की मांग की गई। मार्केट के सौंदर्यीकरण की मांग प्राधिकरण अधिकारियों के समक्ष रखी।

बैठक में उद्यान निदेशक आनंद मोहन सिंह, जन स्वास्थ्य विभाग से परियोजना अभियंता गौरव बंसल, वरिष्ठ प्रबंधक पारसनाथ सोनकर, प्रबंधक प्रेमचंद, सुनील कश्यप, मनोज शुक्ला और सहायक निदेशक प्रशांत सिंह।

इनके अलावा प्रबंधक आदर्श सिंह, अवर अभियंता आरपी सिंह, महेश चौहान, आरडब्ल्यूए से केके जैन, धर्मेन्द्र शर्मा, एसी भारद्वाज, कुलदीप, मुंशी, देवेंद्र वत्स, कर्नल अतुल सरीन, शेखर शर्मा, दीपाली पसारी समेत अन्य मौजूद रहे।

अरमान कपूर व देवयानी धाल बने अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा। होली पब्लिक स्कूल में शनिवार को अलंकरण समारोह हुआ। विद्यालय परिषद के सदस्यों को स्लैश और बैच देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय अध्यक्ष अरमान कपूर व देवयानी धाल, उपाध्यक्ष देव तेओटिया, किया भाटी, जनरल सिक्योरिटी प्रभारी कैफ सैफी व साक्षी दुबे, स्पोर्ट्स कैप्टन लक्ष्य राजपूत व कोमल भाटी, वॉयस स्पोर्ट्स कैप्टन वंश यादव व वंशिका सिंह, जूनियर हेड बॉय देव प्रताप सिंह एवं हेड गर्ल पैरी भाटी ने परिषद के अन्य सदस्यों ने विद्यालय के प्रति कर्तव्यनिष्ठ बने रहने की शपथ ली। प्रधानाचार्या अंजू पुरी ने बताया कि छात्रों को कर्तव्यनिष्ठ और एक आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर सुनीता सिंह, झराश्री एवं श्वेता खन्ना,भावना शर्मा एवं भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद स्वर्णिम ने धूमधाम से मनाया तीज उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। भारत विकास परिषद स्वर्णिम शाखा ने तीज पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत शिव वंदना से हुई और समापन स्वतंत्रता दिवस समारोह की घोषणा के साथ हुआ। पारिवारिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हरियाणवी लोक परंपरा की झलक दिखी।

समापन पर तिरंगा लहराया गया और 'वंदे मातरम्' व 'भारत माता की जय' के जयघोष से माहौल देशभक्ति में रंग गया। परिषद ने आयोजन में सहयोग के लिए अग्रवाल मित्र मंडल का आभार जताया। मीडिया प्रभारी मुकुल बाजपेयी ने कहा कि अगर हर परिषद विकास को लक्ष्य बनाए, तो देश निरंतर प्रगति करेगा।

ईडब्ल्यूएस छात्रों को केयरिंग एसोसिएशन ने बांटी स्टेशनरी

नोएडा (चेतना मंच)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए केयरिंग एसोसिएशन इंडिया द्वारा 'रश्मि अभियान' की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत नवादा गांव स्थित प्राइमरी कॉम्पोजिट स्कूल में 500 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी और अध्ययन सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भाराला रहीं। उन्होंने बच्चों से संवाद किया और विद्यालय का निरीक्षण करते हुए आवश्यकताओं के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देश भी दिए।

इस मौके पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवांश श्रीवास्तव सहित आलोक गर्ग, पंकज त्रिपाठी, शैलेन्द्र सिंह, रजत त्यागी, पुनीत शर्मा, रणधीर, दुष्यंत सिंह और प्रवीण मिश्रा समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

डॉ. भाराला ने कहा कि इस तरह की पहलें बच्चों के सर्वांगीण विकास और स्किल डेवलपमेंट के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। संस्था ने यह भी संकल्प लिया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जा सके।

केयरिंग एसोसिएशन इंडिया पिछले 17 वर्षों से प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड सं0-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)
वेबसाइट : www.greaternoidaauthority.in, ई-मेल : authority@gnida.in

पत्रांक: नियो0/2025/डी.एस.-64/176 दिनांक: 02.08.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि सेक्टर-नॉलेज पार्क-1 व 2 के संशोधित तलपट मानचित्र पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदया द्वारा दिनांक 02.08.2025 को सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

सेक्टर-नॉलेज पार्क-1 व 2 के तलपट मानचित्र में पूर्व नियोजित पार्क में प्रस्तावित 24.0 मीटर चौड़ी सड़क के प्रस्ताव पर यदि कोई आपत्ति/सुझाव हो तो समाचार पत्र में सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 9.30 बजे से सायंकाल 6.00 बजे तक प्राधिकरण के कस्टमर रिलेशन सेल पर महाप्रबन्धक (नियो0/वास्तु0), ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ग्रेटर नौएडा को सम्बोधित करते हुए लिखित एवं आधिकारिक आईडी-gmplanning@gnida.in के माध्यम से प्रेषित किये जा सकते हैं।

उपरोक्त अनुमोदित संशोधनों पर आपत्ति/सुझाव देने वाले व्यक्ति/संस्था को अपना नाम, पता व दूरभाष नं0 सहित पूर्ण विवरण देना आवश्यक है।

महाप्रबन्धक नियोजन/वास्तुकला

Follow us on / OfficialGNIDA

6 कूड़ा निस्तारण प्लांट लगाने को जगह तलाश रहा प्राधिकरण

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की तैयारी शहर को जीरो वेस्ट घोषित करने की है। यह जीरो वेस्ट सेल्फ संस्टेनबल श्रेणी में होगा। मतलब यह कि शहर से निकलने वाले कूड़े का कलेक्शन से लेकर निस्तारण तक बगैर प्राधिकरण के रुपया खर्च किए बनाई गई व्यवस्था से होगा। इसके लिए 6 कूड़ा निस्तारण के प्लांट प्राधिकरण निजी एजेंसियों से लगवाने जा रहा है। इनका संचालन बगैर मुनाफा और घाटा मॉडल पर प्राधिकरण करवाएगा। सेक्टर चिन्हित हो गए हैं। अब उन सेक्टर में प्लांट के लिए जगह प्राधिकरण का जन स्वास्थ्य विभाग तलाश रहा है। इसके बाद टेंडर जारी कर एजेंसियों से आवेदन लिए जाएंगे।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि यह प्लांट सेक्टर-79,119,62,50,43, 80 में लगाए जाने प्रस्तावित हुए हैं। इसमें गीले कूड़े से बायोमेथिनाइजेशन से सीएनजी या रसोई गैस बनेगी। वहीं सूखे कूड़े का निस्तारण मैटेरियल रिकवरी फैसेलिटी (एमआरएफ) सेंटर के जरिए होगा। गीले कूड़े का निस्तारण करने वाले प्लांट की क्षमता 25 मीट्रिक टन प्रतिदिन व सूखे कूड़े के लिए एमआरएफ की क्षमता 15 मीट्रिक टन की होगी। प्राधिकरण सिर्फ प्लांट लगाने के लिए जमीन उपलब्ध करवाएगा। एजेंसियों का जिम्मा प्लांट स्थापित करने से लेकर कूड़ा कलेक्शन करने और उनके निस्तारण तक का होगा। गीले कूड़े के निस्तारण से निकलने वाली गैस व सूखे कूड़े की छटनी से निकलने वाले लोहे, कागज, प्लास्टिक बिक्री से एजेंसी अपना खर्च निकालेंगी।

अब नोएडा जिला अस्पताल में होगा आंखों के लेंस का फ्री इम्प्लांट, आईसीएल सर्जरी की मिलेगी सुविधा

नोएडा (चेतना मंच)। कमजोर आंखों की शिकायत से हर उम्र का व्यक्ति पीड़ित है। ऑनलाइन पढ़ाई और कंप्यूटर पर सात से आठ घंटे लगातार काम करना बच्चों से लेकर युवाओं को चश्मा पहना रही है। निकट दृष्टिदोष बच्चों में अधिक आम है।

इसके साथ ही अधिक दृष्टिदोष होने के कारण मोटे लेंस का चश्मा पहनना पड़ता है। इससे छुटकारा दिलाने सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल में आईसीएल (इम्प्लांटेबल कोलामर लेंस) सर्जरी की सुविधा शुरू होने जा रही है।

अस्पताल अधिक कमजोर आंख के लोगों को सर्जरी कर लेंस उनकी आंख में प्रत्यारोपित किया जाएगा। यह सुविधा कई संस्थानों के लेंस डोनेशन से शुरू हो सकेगी। अस्पताल में सर्जरी की सुविधा शुरू होने से लोगों को निजी अस्पतालों में सर्जरी कराने के लिए लाखों रूपए खर्च नहीं करना होगा।

आंख में लेंस प्रत्यारोपित कराने के 1 से 2 लाख का भुगतान निजी अस्पताल में करना पड़ता है। यह सुविधा जिला अस्पताल में निश्शुल्क रहेगी। आईसीएल सर्जरी में दृष्टि में सुधार के लिए आंख के अंदर एक जैव-संगत, कृत्रिम लेंस लगाया जाता है।

आईसीएल (इम्प्लांटेबल कोलामर लेंस) सर्जरी एक अपवर्तक प्रक्रिया है, जिसमें निकट दृष्टिदोष, दूर दृष्टिदोष और गंभीर दृष्टि दोष जैसी दृष्टि समस्याओं को ठीक करने के लिए आंख के अंदर एक पतला, लचीला लेंस प्रत्यारोपित किया जाता है। यह लैसिक और पीआरके का एक विकल्प है, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी दृष्टि मध्यम से गंभीर है या जिनका कार्निया पतला है।

आंख में लेंस लगाने से पहले कुछ जांचे की जाती हैं, मरीज को सर्जरी से संबंधित जांचे अस्पताल उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। जांचें कराने का खर्च लगभग तीन हजार रुपये आएगा। जिन्हें निजी लैब में कराना होगा।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की समस्याओं को लेकर समिति ने डीएम से की भेंट

दादरी। गौतम बुद्ध नगर विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त जिलाधिकारी मेधा रूपम से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बधाई दी और क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया।

समिति ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सार्वजनिक परिवहन जैसे बस और मेट्रो सेवाओं की अनुपलब्धता, सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा वर्षा ऋतु में जलभराव जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। समिति को विश्वास है कि जिलाधिकारी मेधा रूपम के नेतृत्व में इन समस्याओं का समाधान शीघ्र होगा। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष रश्मि पाण्डेय, महासचिव आदित्य अवस्थी, उपाध्यक्ष जीतेंद्र शर्मा और सदस्य मुरली मौजूद रहे।

पैदल मार्च कर परखी सुरक्षा की तैयारी

नोएडा। डीसीपी सेंट्रल शक्ति अवस्थी और एसीपी वर्णिका सिंह ने शुक्रवार रात को पुलिसबल के साथ फेज दो थानाक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बाजारों और मुख्य सड़कों के आसपास पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीसीपी द्वारा पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए एवं संदिग्ध प्रतीत हो रहे प्रत्येक व्यक्तियों और वाहनों को रोककर चेकिंग की जाए। नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो। अधिकारियों द्वारा सभी पीसीआर व पीआरवी वाहनों को लगातार भ्रमणशील रहते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बाजारों में मौजूद बुजुर्गों और महिलाओं से पुलिस अधिकारियों ने संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना।

राहुल बोले-भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है

सीटों पर धांधली का लगाया आरोप | राजनाथ बोले- अगर सबूतों का एटम बम है तो फोड़ दें

एजेंसी

नई दिल्ली

राहुल गांधी ने पिछले 10 दिनों में तीसरी बार इलेक्शन कमीशन पर निशाना साधा है। राहुल ने शनिवार को कहा कि भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है। हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और हुई भी। भारत के पीएम के पास बहुत कम बहुमत है। अगर 10-15 सीटों पर भी धांधली न होती तो वे भारत के प्रधानमंत्री भी नहीं होते। राहुल ने ये बातें दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एनुअल लीगल कॉन्क्लेव- 2025 में कहीं। इससे पहले राहुल ने 1 अगस्त को कहा था कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी करा रहा है।

राहुल की स्पीच, चार आरोप लगाए

2014 से ही मुझे इलेक्शन सिस्टम पर संदेह रहा है। भाजपा का इतनी बड़ी जीत हासिल करना आश्चर्यजनक था। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह सकता था, लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं।

लोकसभा में हम चुनाव जीते। और फिर चार महीने बाद, हम न केवल हारे, बल्कि पूरी तरह से खत्म हो गए। हमने पाया कि महाराष्ट्र में, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। इनमें से ज्यादातर वोट भाजपा को जाते हैं। संविधान की रक्षा करने वाली संस्था को मिटाकर उस पर कब्जा कर लिया गया है। हमारे पास ऐसे सबूत हैं जो पूरे देश को दिखा देंगे कि चुनाव आयोग जैसी संस्था का कोई अस्तित्व ही नहीं है। यह गायब हो गई है।

चुनाव आयोग जैसी संस्था ठीक से काम नहीं करती। आपको जानकर हैरानी होगी कि चुनाव आयोग जो दस्तावेज उपलब्ध कराता है, उन्हें स्कैन या कॉपी नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग मतदाता सूची पर स्कैन और कॉपी प्रोटेक्शन क्यों लागू करता है?

उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ में बड़ा हादसा

चट्टान टूटने से 8 मजदूर घायल

ज्योतिर्मठ। उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ में बड़ा हादसा हो गया है। टीएचडीसी के निर्माणाधीन डैम साइट, हेलंग में चट्टान टूटने की घटना में 12 मजदूर घायल हो गए हैं। घटना शनिवार सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही कोतवाली ज्योतिर्मठ से पुलिस बल तुरंत मौके पर रवाना हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डैम साइट पर लगभग 40-50 मजदूर कार्यरत थे। इसी दौरान लगभग सुबह 11:00 बजे अचानक पहाड़ी का एक भाग टूटकर गिर गया, जिससे कुल 12 मजदूर घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक इनमें से 8 मजदूरों को प्राथमिक उपचार देने के बाद कैंप भेजा गया है, जबकि 4 मजदूरों को ज्यादा चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद पीपलकोटी के सरकारी अस्पताल भेजा गया। वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत डैम साइट से सभी मजदूरों को हटाया गया है तथा कार्य अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। टीएचडीसी द्वारा निर्माणाधीन विष्णुगाड़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के डेम साइट हेलंग में शनिवार को हुए भूस्खलन में निर्माण कार्य कर रहे 8 लोग घायल हो गए हैं। घटना में घायल 8 लोगों में से 4 लोगों का टीएचडीसी चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। जबकि गंभीर रूप से घायल 3 लोगों को स्वामी विवेकानंद अस्पताल पीपलकोटी में उपचार किया जा रहा है।

अब रूसी सांसद की ट्रंप को चुनौती

आने दीजिए, हमारी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या बहुत ज्यादा

एजेंसी

मॉस्को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के आदेश पर रूस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। रूस की संसद डूमा के एक वरिष्ठ सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा है कि विश्व महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक है और अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही रूसी कंट्रोल रूम के रडार में हैं।

वोडोलात्स्की ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी TASS से कहा, "अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन पनडुब्बियों को 'उपयुक्त क्षेत्रों' की ओर भेजने की बात कही है, वे पहले से ही हमारे नियंत्रण के अंतर्गत हैं। इसलिए रूसी संघ की ओर से कोई विशेष प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है।"ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए

कहा था कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उन क्षेत्रों की ओर भेजने का आदेश दिया है, जहां "उत्तेजक गतिविधियां" बढ़ रही हैं। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के कथित भड़काऊ बयानों के बाद आई। वोडोलात्स्की ने चुनौती भरे अंदाज में कहा, "अमेरिका की दो पनडुब्बियों को आने दीजिए, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। अब जरूरत है कि रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता हो, जिससे दुनिया भर में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर जारी अटकलें समाप्त हों।"इस बीच, 'रशिया इन ग्लोबल अफेयर्स' पत्रिका के प्रधान संपादक फ्योदोर लुक्यानोव ने ट्रंप के बयान को फिलहाल गंभीरता से न लेने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, "ट्रंप अपने चैनल पर अपनी भावनाओं के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। अमेरिकी सशस्त्र बल और नौसेना ने शायद यह बयान आश्चर्य से पढ़ा होगा। यदि यह वाकयुद्ध यूं ही चलता रहा, तो ट्रंप को वास्तव में कुछ कदम उठाने पड़ सकते हैं, लेकिन अभी यह केवल शब्दों तक सीमित है।"

खरगे का जगदीप धनखड़ पर तंज

हमें कभी बोलने नहीं दिया, जब खुद बोले तो हटा दिए गए

एजेंसी

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के सभापति पद पर रहते हुए विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया। जब धनखड़ ने खुलकर बोलना शुरू कर दिया और केंद्र सरकार के साथ अन्य मुद्दों पर तालमेल बैठाने से इनकार कर दिया, तो उन्हें अपने पद से ही हटा दिया गया।

खरगे ने दावा किया कि पूर्व सभापति को जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में विपक्षी सांसदों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर, सरकार की मंशा अनुरूप कार्य न करने की वजह से हटाया गया। खरगे ने कहा, "उनसे कहा गया कि या तो वह प्रस्ताव को वापस ले लें या इस्तीफा दे दें। उन्होंने इस्तीफा दे दिया।" पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान खरगे ने कभी भी विपक्षी सांसदों को बोलने की अनुमति नहीं दी। कांग्रेस सांसद रजनी अशोक राव पाटिल के मामले का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा, "पिछले उपराष्ट्रपति हमें बोलने नहीं देते थे। वे हमें निलंबित कर देते थे, हमारी एक महिला सांसद को सात महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था।" गौरतलब है कि कांग्रेस सांसद पाटिल पर 2023 में बजट सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर साझा करने का आरोप लगा था, जिसके बाद तत्कालीन सभापति धनखड़ ने सदन के नियमों के उल्लंघन के मामले में उन्हें निलंबित कर दिया था। बाद में अगस्त 2023 में उनके निलंबन को रद्द भी कर दिया गया। खरगे ने कहा, "एक समय पर सरकार का बचाव करने को लेकर आलोचना का सामना कर रहे धनखड़ ने खुलकर बोलना शुरू कर दिया। जस्टिस वर्मा केस में उन्होंने नियमों की बात की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के ऊपर आए प्रस्ताव के बारे में बात की, तो उन्हें धमकाया गया और उन पर प्रस्ताव को वापस लेने का दवाब डाला गया।"

मेरी बस एक ही गलती है...

बलात्कार मामले में दोषी पूर्व सांसद रेवन्ना ने तोड़ी चुप्पी

एजेंसी

बेंगलुरु

घरेलू सहायिका के साथ बलात्कार के मामलों में दोषी करार दिए गए और सजा सुनाए जाने का इंतजार कर रहे प्रज्वल रेवन्ना ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कोर्ट के सामने कम सजा देने की अपील करने वाले रेवन्ना ने दावा किया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। दोषी ठहराए जाने के दौरान रेवन्ना ने कहा कि उनकी एकमात्र गलती राजनीति में तेजी के साथ आगे बढ़ने की है। गौरतलब है कि जनता दल सेक्यूलर के निलंबित नेता और पूर्व सांसद रेवन्ना के ऊपर उनके फार्म हाउस पर काम करने वाली एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था।

इसके साथ ही उनके ऊपर तीन और मामले चल रहे हैं।

शुक्रवार को जब जज ने महिला सहायिका से रेप के मामले में प्रज्वल को दोषी करार दिया, तो वह अदालत में ही रो पड़ा। इसके बाद उसने जज के सामने कम सजा देने की मांग की। पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार से आने वाले रेवन्ना ने अदालत में कहा कि उसने मैकेनिकल से इंजीनियरिंग की है। वह हमेशा से ही पढ़ाई में अच्छा रहा है। उसने कहा, "वे कहते हैं कि मैंने कई महिलाओं के साथ बलात्कार किया है, लेकिन कोई भी महिला स्वेच्छा से शिकायत करने नहीं आई है, वे चुनाव (पिछले साल लोकसभा चुनाव) से छह दिन पहले आई थीं... अभियोजन पक्ष उन्हें जानबूझकर लेकर आया और शिकायत दर्ज करवाई।"

प्रज्वल ने कहा कि महिला (पीड़िता) ने कथित बलात्कार के बारे में अपने पति या रिश्तेदारों समेत किसी से भी शिकायत नहीं की थी। प्रज्वल ने कहा कि जब कुछ वीडियो प्रसारित हुए, तो उसने आकर शिकायत दर्ज कराई। पूर्व सांसद ने कहा, "मेरा एक परिवार है, मैंने छह महीने से अपने माता-पिता को नहीं देखा... कृपया मुझे कम सजा दें, मैं अदालत से यही अनुरोध करता हूं।" पिछले साल मई में जर्मनी से आने पर गिरफ्तार किए गए प्रज्वल ने कहा, "मैंने अपने जीवन में बस यही गलती की है कि मैं राजनीति में तेजी से आगे बढ़ा।"

डोप टेस्ट करवाने को तैयार...

जेल में नशा करने के आरोप पर खालिस्तानी अमृतपाल सिंह की दो टूक

एजेंसी

नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक और पंजाब की खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह ने अपने ऊपर लगे नशे के आरोपों पर बड़ा बयान दिया है। उसके वकील इमान सिंह खरा ने कहा कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ साजिश के तहत झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। वह खुद डोप टेस्ट के लिए तैयार है और अगर पंजाब पुलिस चाहे तो यह टेस्ट डिब्रूगढ़ जेल में भी कराया जा सकता है। साथ ही, उनकी मांग है कि जो नेता उन पर नशे के आरोप लगा रहे हैं, वे भी अपने डोप टेस्ट करवाएं। अमृतपाल सिंह ने नशे के आरोपों को अपने खिलाफ चल रहे अभियान को राजनीतिक साजिश बताया है। उनका कहना है कि यह पूरा मामला पंजाब में उभरते सिख नेतृत्व को दबाने की कोशिश है। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह अजनाला थाने पर अपने समर्थकों के साथ हमला करने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अप्रैल 2023 से असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। दो साल तक अमृतपाल 9 साथियों के साथ डिब्रूगढ़ में बंद था, लेकिन तीन महीने पहले उसके 9 साथियों से एनएसए हटाकर पंजाब लाया गया। अमृतपाल सिंह का एनएसए तीसरी बार बढ़ा दिया गया।

आंध्र प्रदेश में किसानों के खाते में आए 7-7 हजार रुपये

राज्य सरकार ने भी 47 लाख लोगों को दिया तोहफा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश सरकार ने शनिवार को 'अन्नदाता सुखीभव' योजना के तहत 47 लाख किसानों को 7-7 हजार रुपये की राशि वितरित की। इस योजना के तहत प्रत्येक किसान को प्रति वर्ष 20,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। सरकार द्वारा साझा किए गए एक वीडियो लिंक के अनुसार, 3,174 करोड़ रुपये की राज्यव्यापी पहल का शुभारंभ करते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से दो किसानों को चेक प्रदान किए और दारसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए 29 करोड़ रुपये का चेक भी प्रदान किया। नायडू ने प्रकाशम जिले के दारसी मंडल के पूर्वी वीरयापलेम गांव में धनराशि की पहली किश्त वितरित की। शनिवार को लाखों किसानों को दिए गए 7,000 रुपये में से 5,000 रुपये प्रदेश से, जबकि शेष 2,000 रुपये केंद्र सरकार द्वारा पीएम-किसान योजना के तहत दिए गए। पीएम-किसान के तहत केंद्र के 6,000 रुपये और राज्य के 14,000 रुपये के योगदान को मिलाकर, दक्षिणी राज्य का लक्ष्य 'अन्नदाता सुखीभव' - 'पीएम किसान' योजना के तहत पात्र किसानों को तीन किस्तों में प्रति वर्ष 20,000 रुपये वितरित करना है।

नंगे होकर पैसा कमाने वाले बयान पर

साध्वी ऋतंभरा ने महिलाओं से मांगी माफी

एजेंसी

नई दिल्ली

साध्वी ऋतंभरा ने हाल ही में महिलाओं को लेकर ऐसा बयान दिया था जिससे उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाने पर टिप्पणी की थी और कहा था कि ऐसे वीडियो देखकर उन्हें शर्म आती है। हालांकि अब उन्होंने इस टिप्पणी को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि अगर किसी को उनकी बातों से ठेस पहुंची है, तो वह माफी मांगती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें लगता है कि उन्हें यह कहने का अधिकार है क्योंकि वह अपने प्रियजनों से घिरी हुई थीं। उन्होंने ये भी कहा कि मैं इंसान हूं और मुझसे गलती हो गई।

साध्वी ऋतंभरा ने ये टिप्पणी तीन महीने पहले एक सभा में की थी। उनका अब ये वीडियो सोशल

मीडिया पर वायरल हो गया है। उन्होंने कहा था,हिंदू महिलाएं, हे भगवान! मुझे उन्हें देखकर शर्म आती है। क्या तुम पैसा कमाओगी? क्या तुम न्यूड होकर पैसा कमाओगी? गंदे डांस करके, गंदे गाने गाकर? मुझे समझ नहीं आता कि उनके पति, उनके पिता इसे कैसे स्वीकार करते हैं? उन्होंने आगे कहा था, लोगों को शालीनता से जीवन जीना चाहिए। भारत की महिलाओं, मेरे ऐसा कहने पर बुरा मत मानना। साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि उनका मानना है कि परिवार और राष्ट्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और वह महिलाओं को निशाना नहीं बना रही थीं, बल्कि उनकी शक्ति में आशा जगा रही थीं, लेकिन अनियंत्रित होना स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता। अनुशासनहीन होना अनुशासित होना नहीं है। यह मेरा स्वभाव है। जब मेरा दर्द एक हद तक पहुंच जाता है, तो मैं इसे अपने प्रियजनों के साथ शेयर करती हूं। यह एक पुराना वीडियो है, जो वायरल हो गया है। मैं यह कहना चाह रही थी कि एक राष्ट्र अपने नागरिकों के व्यवहार से महान बनता है।

वहीं जब उनसे ये पूछा गया कि पुरुषों के लिए ऐसा क्यों नहीं कहा गया, साध्वी ऋतंभरा ने कहा, अगर मेरी भावनात्मक टिप्पणियों से महिलाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं जरूर माफ़ी मांगूंगी।

एक दिन पहले ही बीजेपी में हुए शामिल

रणजीत सिंह गिल के घर पर सतर्कता ब्यूरो का छापा

नई दिल्ली। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने अकाली दल के पूर्व नेता और प्रमुख रियल एस्टेट कारोबारी रंजीत सिंह गिल के परिसरों पर शनिवार को छापेमारी की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गिल के खिलाफ यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब वह एक दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार शाम अपने सरकारी आवास पर गिल का भाजपा में स्वागत किया। सतर्कता ब्यूरो के अधिकारियों ने चंडीगढ़ स्थित गिल के आवास पर छापेमारी की। हालांकि, इस कार्रवाई के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गिल ने हाल ही में शिरोमणि अकाली दल (SAD) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें कभी शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल का करीबी माना जाता था।

इंडिगो फ्लाइट में जिस युवक को थप्पड़ पड़ा, वो लापता

परिवार बोला- उसका फोन भी बंद

एजेंसी

कोलकाता

इंडिगो की मुंबई-कोलकाता फ्लाइट 6E-2387 में पैनिक अटैक आने पर जिस शख्स को उसके साथी यात्री ने चांटा मारा था, अब वो शख्स लापता है। मुंबई के होटल में काम करने वाला हुसैन अहमद मजूमदार (32) कोलकाता आ रहा था। उसका परिवार असम के सिलचर में रहता है। परिवार के मुताबिक हुसैन को 31 जुलाई को सिलचर पहुंचना था, लेकिन वो नहीं आया। हमने कॉल किया तो उसका नंबर भी बंद आया। अगले दिन हम सिलचर एयरपोर्ट पहुंचे, लेकिन हुसैन की जानकारी नहीं मिली। हुसैन का नंबर लगातार बंद आ रहा है। परिवार

का आरोप है कि न तो इंडिगो और न ही सिलचर एयरपोर्ट हुसैन की जानकारी दे रहे हैं। बाद में हमें हुसैन के साथ प्लेन में हुई मारपीट का वीडियो मिला। हमने एयरपोर्ट CISF को रिपोर्ट दी है। लोकल थाने में भी गुमशुदगी का केस दर्ज कराया है।

परिवार के मुताबिक हुसैन को चांटा मारने वाले हफीजुल रहमान को कोलकाता में रोका गया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। आरोपी हफीजुल रहमान के पीड़ित हुसैन अहमद मजूमदार को मुंबई से कोलकाता आ रही इंडिगो की फ्लाइट में मारपीट का वीडियो वायरल है। वीडियो में नजर आ रहा है कि हुसैन को पैनिक अटैक हुआ है। वो गैलरी में खड़ा है। उसके आस-पास कुछ एयरहोस्टेस भी मौजूद हैं। अचानक से सीट पर बैठा हफीजुल, हुसैन को जोरदार थप्पड़ मार देता है। हुसैन और घबरा जाता है और रोने लगता है। एयर होस्टेस भी घबरा जाता है और हफीजुल से कहती है कि आपने ऐसा क्यों किया? अन्य यात्री भी हफीजुल को गलत व्यवहार के लिए डांटते हैं।

अमेरिका : मोंटाना के बार में अंधाधुंध फायरिंग, 4 की मौत

संदिग्ध की तलाश में जुटी पुलिस

मोंटाना। अमेरिका के मोंटाना के एक बार में शुक्रवार को हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। मोंटाना आपराधिक जांच विभाग के अनुसार, गोलीबारी सुबह लगभग 10:30 बजे एनाकोंडा के द आउल बार में हुई। घटनास्थल पर ही चार लोगों की मौत हो गई। संदिग्ध की पहचान 45 वर्षीय माइकल पॉल ब्राउन के रूप में हुई है, जो कि बार के बगल में रहता था। पुलिस को शक है कि ब्राउन पास के जंगलों में छुपा हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि उसके घर की तलाशी एक स्वाट टीम ने ली थी और उसे आखिरी बार स्टंप टाउन इलाके में देखा गया था, जो एनाकोंडा के ठीक पश्चिम में है। स्थानीय और राज्य पुलिस के एक दर्जन से ज़्यादा अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और पूरी तरह से घेराबंदी कर दिया गया है। किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं हैं। मोंटाना हाईवे पेट्रोल ने एक बयान में कहा कि ब्राउन के पास हथियार होने की आशंका है।

ये तो आतंक के समर्थक

SCO समिट में तुर्की और अजरबैजान का नाम देख भड़का भारत

एजेंसी

नई दिल्ली

चीन के तियानजिन में होने जा रहे शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के साथी तुर्की और अजरबैजान के शामिल होने को लेकर भारत ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। सितंबर की शुरुआत में ही होने वाले इस शिखर सम्मेलन में दुनियाभर के 20 देशों के मुखिया हिस्सा ले सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी तियानजिन जा सकते हैं।सम्मेलन से पहले भारत ने साफ कर दिया है कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले इन देशों की उपस्थिति SCO के उद्देश्यों पर पानी फेर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन इस मामले को लेकर आपस

में बात कर रहे हैं। दरअसल 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के बाद से ही तुर्की और अजरबैजान पाकिस्तान के साथ भाईचारा दिखाने लगे थे। जहां एक तरफ बाकी मुस्लिम देशों ने भी आतंकवादी हमले की निंदा की और ऑपरेशन सिंदूर पर संतुलित रुख अपनाया, वहीं तुर्की और अजरबैजान ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया।

दिल्ली भगदड़-रेल मंत्री बोले सामान गिरने से हुआ था हादसा

बयान में 'भगदड़' शब्द नहीं | RPF ने गलत अनाउंसमेंट को बताई थी वजह

एजेंसी

नई दिल्ली

एक पैसेंजर के सिर पर रखा सामान गिरने से 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ हुई थी। सामान गिरने से यात्री सीढ़ियों पर गिर पड़े थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के प्रश्न पर यह लिखित उत्तर दिया। हालांकि, उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा में दिए अपने जवाब में 'भगदड़' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। 15 फरवरी को महाकुंभ में शामिल होने प्रयागराज जाने के लिए

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ थी। इस दौरान हुई भगदड़ में 18 लोगों की जान गई थी जबकि 15 लोग घायल हुए थे। हादसे के कुछ दिन बाद रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने के अनाउंसमेंट से हादसा हुआ। रेल मंत्री ने बताया कि उस दिन स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ कंट्रोल करने के उपाय किए गए थे।

BJP विधायक हार्दिक पटेल के बागी सुर!

गुजरात सीएम को लिखा- नहीं सुनी तो करूंगा आंदोलन

अहमदाबाद। गुजरात की विरमगाम विधानसभा से बीजेपी विधायक हार्दिक पटेल ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर कहा है कि सात महीने पहले विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ था, लेकिन अब तक एक प्रतिशत काम भी शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोग परेशान हैं और जनप्रतिनिधि के नाते उन्हें लोगों के साथ उपवास आंदोलन में शामिल होना पड़ेगा।

हार्दिक पटेल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर विरमगाम शहर में ओवरफ्लो हो रही सीवर लाइन और लोगों के घरों में आ रहे गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान करने की अपील की। उन्होंने बीजेपी शासित विरमगाम नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें अब उपवास आंदोलन में शामिल होना पड़ सकता है। पाटीदार अनामत आंदोलन के समय से सुर्खियों में आए हार्दिक पटेल अब विरमगाम विधानसभा से बीजेपी विधायक हैं। हालांकि कई बार जनता के मुद्दों पर वह अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा कर चुके हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि नगरपालिका द्वारा जो कार्य होना चाहिए वह नहीं हो रहा है। विकास कार्यों के टेंडर तो हो चुके हैं लेकिन ठेकेदार द्वारा कोई काम नहीं किया जा रहा है। हार्दिक पटेल ने लिखा कि अगर समय पर लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो उन्हें जनप्रतिनिधि के रूप में उपवास आंदोलन में शामिल होकर जनता का विश्वास बनाए रखना पड़ेगा।

कोर्ट के दखल के बाद भारत वापस आएंगी 63 साल की रक्षंदा राशिद

एजेंसी

नई दिल्ली

इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को पाकिस्तान भेज दिया था जो लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत में रह रहे थे। सरकार के इस फैसले के बाद कई ऐसे परिवारों की कहानी सामने आई थी जो वर्षों से भारत में रह रहे थे लेकिन उन्हें अपने परिवार को छोड़कर जाना पड़ा था। ऐसे लोगों के पास भारत की नागरिकता नहीं थी। अब भारत ने 63 साल की एक महिला को विजिटर वीजा जारी करने का फैसला किया है जिससे वह भारत में रह रहे अपने परिवार के

पहलगाम हमले के बाद भेज दिया था पाकिस्तान

पास ही रह सकें। महिला का नाम रक्षंदा राशिद है। वह जम्मू के तालाब खटिकान इलाके की रहने वाली हैं। राशिद को पहलगाम आतंकी हमले के बाद 29 अप्रैल को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया गया था। उनके पति शेख ज़हूर अहमद और चार बच्चे जम्मू-कश्मीर में ही हैं क्योंकि उनके पास भारतीय नागरिकता है। ज़हूर अहमद सरकारी नौकरी से रिटायर हैं। अब अदालत के निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने राशिद को विजिटर वीजा देने का फैसला किया है। इस मामले में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। भारत के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने काफी सोच-विचार के बाद राशिद को विजिटर वीजा जारी करने का फैसला लिया है।

खास खबर

मैग्नस ने जीता पहला शतरंज ईस्पोर्ट्स विश्व कप

भारत के अर्जुन एरिगैसी ने हारकर जीता एक करोड़ का इनाम

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर-1 मैग्नस कार्लसन पहला शतरंज ईस्पोर्ट्स विश्व कप 2025 जीतकर इतिहास रच दिया है। नॉर्वेजियन स्टार ने सऊदी अरब में हुए ग्रैंड फाइनल में अलिरेजा फिरोजा को 3-1 से हराकर ये बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। इस जीत के साथ, उन्हें 250,000 डॉलर जो लगभग 2 करोड़ 18 लाख इंडियन रुपए बनता है, की पुरस्कार राशि मिली। नॉकआउट में, कार्लसन ने क्वार्टर फाइनल में निहाल सरीन पर जीत हासिल की और सेमीफाइनल में हिकारू नाकामुरा के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में जीत दर्ज करके फाइनल में कदम रखा। अपने अभियान के दौरान, नाकामुरा के खिलाफ मुकाबला 34 वर्षीय कार्लसन के लिए सबसे कठिन साबित हुआ। इससे पहले प्रतियोगिता के अंतिम दिन, भारत के अर्जुन एरिगैसी अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से हार गए, जिसकी वजह से वो तीसरा स्थान नहीं पा सके और वे चौथे स्थान पर रहे। नाकामुरा ने छह गेमों के मैच में एरिगैसी को हराकर 145,000 डॉलर का इनाम जीता। जो भारतीय रुपए में लगभग 1 करोड़ 20 लाख बनता है, जबकि दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर ने 115,000 डॉलर की इनामी राशि अपने नाम की। जो की 1 करोड़ भारतीय रुपए बनती है। दोनों के बीच यह एक रोमांचक मुकाबला था और मैच में कई बार बाजी पलटी. एरिगैसी ने सफेद मोहरों के साथ पहला गेम सिर्फ 34 चालों में जीतकर बढ़त बना ली। दूसरा गेम 28 चालों के बाद बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद नाकामुरा ने तीसरे गेम में अपनी लय पकड़ी और काले मोहरों के साथ स्कोर बराबर कर दिया। मुकाबले का निर्णायक चरण चौथे गेम में आया, जहां इंजनों ने अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों की स्थिति को बराबर माना।

मन्नेपल्ली के बाद लक्ष्य भी मकाऊ ओपन से बाहर

दोनों को सेमीफाइनल में मिली हार

मकाऊ। भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया है। लक्ष्य सेन और तरूण मन्नेपल्ली पुरूष एकल सेमीफाइनल मुकाबले हारकर बाहर हो गए। विश्व चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य को इंडोनेशिया के अलवी फरहान ने 39 मिनट में 21-16, 21-9 से हराया। वहीं तरूण मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह ने तीन गेम के मुकाबले में मात दी । विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज 23 वर्ष के मन्नेपल्ली ने मजबूत शुरूआत की लेकिन कई गलतियों के कारण एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 16-21 से हार गए। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य के लिये यह सत्र कठिन रहा है, जो सात बार पहले और दो बार दूसरे दौर से बाहर हो गए। कंधे, कमर और टखने की चोटों से जूझ रहे लक्ष्य ने पेरिस में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले आत्मविश्वास हासिल करने के लिये यह टूर्नामेंट खेला था।2003 विश्व जूनियर चैम्पियन फरहान ने शानदार प्रदर्शन करके उन्हें फाइनल में जगह नहीं बनाने दी। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज फरहान ने 0-3 से शुरूआत करके पहले गेम के पहले ब्रेक तक 11-7 की बढत बना ली। उन्होंने बेहतरीन ड्रॉप शॉट, रेलियां और स्मैश लगाते हुए लक्ष्य को दबाव में ला दिया। लक्ष्य ने भी कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाये लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही । बैकहैंड विनर लगाकर उन्होंने स्कोर 13-19 किया लेकिन फरहान ने उनका शॉट नेट में जाने के बाद पांच अंक लेकर पहला गेम अपने नाम किया।

कोच ने किया बड़ा दावा

सहवाग और यशस्वी हैं भारत के बेस्ट ओपनर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने लीड्स टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार शुरुआत की थी. इसके बाद वो इस सीरीज में अब तक कोई शतक नहीं लगा पाए, लेकिन कई शानदार पारियां खेलीं. इस दौरान उनके कोच ने भारतीय टीम के ओपनर को लेकर बड़ा दावा कर दिया है. उन्होंने पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग और यशस्वी जायसवाल को रोहित शर्मा से बेस्ट ओपनर बता दिया. सबसे कम पारियों में 2000 रन पूरा करने वाले यशस्वी जायसवाल इस मामले वीरेंद्र सहवाग और पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के साथ टॉप पर मौजूद हैं. ओवल टेस्ट मैच के दौरान यशस्वी जायसवाल के कोच ज्वाला सिंह ने बड़ी बात कह दी है. एक पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने यशस्वी जायसवाल को टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बाद का बेस्ट ओपनर बता दिया. उन्होंने कहा कि यशस्वी जायसवाल ने सबसे तेज 2000 रन पूरे करने के मामले में वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के साथ टॉप पर हैं।

उस्मान गनी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

17 छक्के 45 रन तो सिर्फ 1 ओवर में मारे, बस इतनी गेंदों में बनाया शतक

नई दिल्ली। क्रिकेट के पनपने के बाद अफगानिस्तान ने वर्ल्ड क्रिकेट को एक से बढ़कर एक खिलाड़ी दिए हैं. और, वहां के उन्हीं खिलाड़ियों में से एक हैं उस्मान गनी. अफगानिस्तान के इस ओपनर ने विस्फोटक शतक लगाया है. उनके जमाए हाहाकारी शतक की हद का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि उन्होंने 45 रन सिर्फ एक ओवर में मारे हैं, जो कि प्रोफेशनल क्रिकेट में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. और, ये वर्ल्ड रिकॉर्ड आने वाले समय में शायद ही टूटता दिखे. अब क्रिकेट में एक ओवर यानी 6 गेंदों में ज्यादा से ज्यादा 36 रन बनते हैं तो फिर उस्मान गनी ने 45 रन कैसे ठोक दिए? सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि अफगान बल्लेबाज ने शतक और उस पारी के दौरान एक ओवर में 45 रन ठोके कहां? ये कमाल उन्होंने अफगानिस्तान के लिए नहीं बल्कि ECS T10 लीग में किया है. इंग्लैंड में खेली जा रही उस T10 लीग में मुकाबला लंदन काउंटी और गिल्डफोर्ड के बीच था. इस मैच में उस्मान गनी, लंदन काउंटी का हिस्सा थे, जो कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी. अपने मिजाज के मुताबिक उस्मान गनी ने लंदन काउंटी की ओर से ओपनिंग की और क्रीज पर उतरते ही हल्ला बोल दिया. 28 साल के उस्मान गनी ने सिर्फ 28 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. उनकी कुल इनिंग 43 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने 17 छक्के और 11 चौके के साथ नाबाद 153 रन जड़े. 355.81 की स्ट्राइक रेट से उनके बनाए इस धुआंधार रन का नतीजा ये रहा कि लंदन काउंटी ने बिना कोई विकेट गंवाए 10 ओवर में 226 रन स्कोर बोर्ड पर टांग दिए।

ऐसे ठोके 1 ओवर में 45 रन

दाएं हाथ के बल्लेबाज उस्मान गनी अपनी इसी ताबड़तोड़ इनिंग के दौरान विल जर्नी नाम के गेंदबाज के खिलाफ एक ओवर में 45 रन जड़े. ऐसा कमाल उन्होंने 8 बाउंड्री लगाते हुए किया, जिसमें 5 छक्के और 3 चौके शामिल रहे. विल जर्नी ने अपने ओवर में 2 नो बॉल फेंकी, जिस पर उस्मान ने एक छक्का और एक चौका लगाया. इसके अलावा विल जर्नी ने 2 वाइड भी फेंकी।

मैच में विल जर्नी ने 2 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 64 रन खर्च किए. अब गिल्डफोर्ड टीम के सामने 10 ओवर में 227 रन का महाविशाल लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए वो 4 विकेट पर 155 रन ही बना सकी और 71 रन से मुकाबला हार गई।

डूरंड कप: क्लेटन सिल्वा के चार गोल

डायमंड हार्बर एफसी ने बीएसएफ एफसी को 8-1 से रौंदा

कोलकाता। 134वें डूरंड कप में डायमंड हार्बर एफसी ने अपने विजयी अभियान को जारी रखते हुए बीएसएफ एफसी को ग्रुप बी के मुकाबले में 8-1 से करारी शिकस्त दी। किशोर भारती क्रीड़ांगन (केबीके) में खेले गए इस मुकाबले में स्ट्राइकर क्लेटन सिल्वा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल (2', 35', 71', 90+3') दागे। उनके साथ ही फॉरवर्ड लुका माजसेन ने दो गोल (7', 39') किए, जबकि पॉल (53') और जॉबी जस्टिन (67') ने भी स्कोरशीट में नाम जोड़ा। बीएसएफ एफसी की ओर से एकमात्र गोल किशोरी ने 90वें मिनट में किया। आई-लीग 2 की चैंपियन डायमंड हार्बर एफसी ने महज़ दूसरे मिनट में ही क्लेटन सिल्वा के गोल से खाता खोल दिया। जॉबी जस्टिन के क्रॉस पर उन्होंने सटीक फिनिश करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद सातवें मिनट में लुका माजसेन ने बॉक्स में क्लेटन की हलचल का फायदा उठाकर दूसरा गोल दागा। बीएसएफ एफसी की मिडफील्ड और डिफेंस शुरुआत से ही संघर्ष करती दिखी। 35वें मिनट में सिल्वा ने गिरीक के क्रॉस पर वॉली मारकर अपना दूसरा गोल किया। वहीं, चार मिनट बाद माजसेन ने ब्राज़ीली खिलाड़ी के एक ऊंचे पास पर गोल कर स्कोर को 4-0 कर दिया। बीएसएफ को पहला मौका 43वें मिनट में मिला, जब किशोरी का शॉट गोलकीपर सुसंता मलिक ने रोक लिया। हाफटाइम तक डायमंड हार्बर पूरी तरह हावी दिखा। दूसरे हाफ में भी डायमंड हार्बर ने वही तेवर बरकरार रखा। 53वें मिनट में पॉल ने लो ड्राइव शॉट से पांचवां गोल किया। 67वें मिनट में सैमुएल के कॉर्नर पर जॉबी जस्टिन ने हेडर से छठा गोल दागा। इसके बाद 71वें मिनट में सिल्वा ने अपना हैट्रिक पूरा किया, जब बीएसएफ की क्लियरेंस में चूक हुई। बीएसएफ को 90वें मिनट में किशोरी के ज़रिए सांत्वना मिली, जिन्हें हरमिंदर सिंह ने शानदार पास दिया।

सिराज ने बुमराह का रिकॉर्ड किया ध्वस्त

वकार यूनुस के क्लब में हुए शामिल

लंदन। ओवल में खेले जा रहे सीरीज के अंतिम टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. जिसकी वजह से इंग्लैंड भारत पर केवल 23 रनों की ही बढ़त बना सका. इसका श्रेय भारत के दो तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) को जाता है. इन दोनों गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 247 रनों पर ऑलआउट कर दिया. भारत अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना सका था. दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 75 रन बना लिए है, और उनकी बढ़त अब 52 रनों की हो गई है. जायसवाल 51 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि आकाशदीप नाइटवाचमैन के रूप में 4 रन बनाकर खेल रहे हैं. ओवल की पहली पारी में 4 विकेट लेकर मोहम्मद सिराज ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने केवल 16.2 ओवर में 88 रन देकर चार विकेट लिए. 31 वर्षीय सिराज ने ओली पोप, जो रूट, जैकब बेथेल और हैरी ब्रुक के बड़े विकेट लेकर भारत को श्रृंखला 2-2 से बराबर करने की दौड़ में बनाए रखा है. इसके अलावा सिराज ने जसप्रीत बुमराह का सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ दिया और साथ ही पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वकार यूनिस की बराबरी भी कर ली है. बता दें कि सिराज ने इंग्लैंड में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक चार विकेट लेने का जसप्रीत बुमराह का रिकॉर्ड तोड़ दिया. सिराज ने इंग्लैंड की धरती पर 11 मैच में छठीं बार चार विकेट लिया है, जबकि बुमराह ने 12 मैचों में 5 बार चार विकेट लिए हैं. इसके अलावा सिराज 1996 के बाद इंग्लैंड में छह बार चार विकेट लेने वाले पहले एशियाई तेज गेंदबाज बन गए हैं. इससे पहले वकार युनुस ने 1996 में इंग्लैंड में 6 बार चार विकेट लिए थे. स्पिनरों में, मुथैया मुरलीधरन इंग्लैंड में 6 बार चार विकेट लेने वाले एकमात्र एशियाई हैं.

मोहम्मद सिराज का पांच मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन जारी है. उन्होंने ने अब तक कुल 17 विकेट लिए हैं जो सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. इसके अलावा वह और इंग्लैंड के क्रिस वोक्स पांचों मैच खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज हैं. लेकिन मैच के पहले दिन वोक्स के चोटिल मैच से बाहर हो गए हैं. अगर सिराज दूसरी पारी में भी गेंदबाजी करते हैं तो किसी भी टीम की ओर से सीरीज की सभी 10 पारियों में गेंदबाजी करने वाला एकमात्र तेज गेंदबाज बन जाएंगे।

टीम इंडिया ने इंग्लैंड को दिया 374 रनों का लक्ष्य

यशस्वी के बाद वाशिंगटन ने धोया

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच द ओवल में पांचवां टेस्ट 31 जुलाई यानी गुरुवार से खेला जा रहा है। भारतीय टीम दूसरी पारी में 396 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। ऐसे में भारत ने इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट दिया है। यशस्वी जायसवाल ने दमदार शतक ठोका और 118 रन बनाकर आउट हुए। वहीं रविंद्र जडेजा ने भी अर्धशतक ठोका और 53 रन की पारी खेली। बता दें कि ओवल के मैदान पर आज तक इतना बड़ा टारगेट चेज नहीं हुआ है। वाशिंगटन सुंदर ने भी अंत में कुछ बड़े शॉट्स लगाए और धमाकेदार अंदाज में अपनी फिफ्टी पूरी की। भारत की लीड में और इजाफा किया। ओवल में सबसे बड़ा रन चेज इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1902 में किया था। भारतीय टीम ने टॉस गंवाकर पहले बैटिंग करते हुए 224 रन बनाए थे। इसके बाद हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने शानदार बॉलिंग की और इंग्लैंड को 247 रन पर ही रोक दिया। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 4-4 विकेट लिए।

इंग्लैंड को पहली पारी से 23 रन की लीड मिली थी। इसके बाद दूसरे दिन जब भारतीय टीम की दूसरी पारी में बल्लेबाजी आई तो भारतीय बल्लेबाजों ने कमाल कर दिया। दूसरी पारी में भारत के लिए यशस्वी जायसवाल ने शतक तो आकाश दीप, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने फिफ्टी ठोकी। जायसवाल ने 14 चौके और 2 छक्के की मदद से 118 रन बनाए।

इंग्लैंड ने मारी अपने पैरों पर कुल्हाड़ी

ओवल टेस्ट में तीन खिलाड़ियों ने कराया इंग्लैंड टीम का नुकसान

लंदन। ओवल टेस्ट मैच में टीम इंडिया की हालत काफी खराब होती, अगर इंग्लैंड के तीन खिलाड़ी चार बड़ी गलती नहीं करते. इस टेस्ट मैच के दूसरे और तीसरे दिन मेजबान टीम के तीन खिलाड़ियों ने कुछ ऐसा किया, जिसकी वजह से भारतीय टीम पांचवें टेस्ट मैच में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है. इंग्लैंड पर इस टेस्ट मैच में हार का खतरा मंडराने लगा है. अगर ओवल टेस्ट मैच में इंग्लैंड हार जाता है, तो पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज 2-2 से बराबर हो जाएगी. इंग्लैंड की खिलाड़ियों की गलती का सबसे ज्यादा फायदा टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को हुआ. ओवल टेस्ट मैच में भारतीय टीम की दूसरी पारी के दौरान इंग्लैंड के तीन खिलाड़ियों ने चार कैच छोड़े, जिसकी वजह से टीम इंडिया इस समय मजबूत स्थिति में पहुंच गया है. इसमें से दो कैच यशस्वी जायसवाल के थे. इस दौरान वो शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं. इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने तीन कैच इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया की दूसरी पारी के दौरान छोड़े. पहला कैच हैरी ब्रूक ने छोड़ा. टीम इंडिया की पारी के 5वें ओवर में तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की पांचवीं गेंद पर ओपनर यशस्वी जायसवाल ने तेज शॉट खेला, लेकिन तीसरी स्लिप पर खड़े हैरी ब्रूक ने उनका कैच छोड़ दिया. उस समय जायसवाल 20 रन बनाकर खेल रहे थे. इसके 40 मिनट बाद 14वें ओवर में जॉश टंग की गेंद पर जायसवाल ने पुल शॉट खेला, लेकिन डीप फाइन लेग पर सब्स्टीट्यूट फील्डर लियम डॉसन ने उनका आसान कैच छोड़ दिया. उस समय यशस्वी 40 रन पर खेल रहे थे. पांच मिनट के बाद इंग्लैंड ने तीसरी गलती कर दी. इस बार उन्होंने साई सुदर्शन को जीवनदान दे दिया. तेज गेंदबाज क्रेग ओवरटन की गेंद पर स्लिप में ही जैक क्रॉली ने साई सुदर्शन का कैच टपका दिया. उस समय सुदर्शन केवल 7 रन बनाकर खेल रहे थे. हालांकि सुदर्शन इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और केवल 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. तीन कैच छोड़ने के बावजूद इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने इससे कुछ नहीं सीखा और एक और बड़ी गलती कर दी।

नेहरू हॉकी कप...69 साल बाद बालक और बालिका दोनों वर्ग में वाराणसी बना चैंपियन

वाराणसी। मेजबान झांसी और प्रयागराज मंडल की हॉकी टीम को हराकर वाराणसी ने पहली बार बालक और बालिका दोनों वर्ग की ट्रॉफी अपने नाम की है। इस जीत के साथ वाराणसी मंडल की दोनों टीमों ने नेहरू कप हॉकी की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वाराणसी मंडल का प्रतिनिधित्व विकास इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों ने किया। नेहरू कप प्रादेशिक प्रतियोगिता के फाइनल में बालक वर्ग की टीम ने झांसी मंडल को 5-2 से हराया। यह 69 वर्ष में यह पहली बार हुआ है जब काशी ने नेहरू कप प्रादेशिक का खिताब अपने नाम किया है। प्रादेशिक हॉकी प्रतियोगिता झांसी के मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 29 जुलाई से 1 अगस्त तक खेली गई। बालिका वर्ग के अंडर-17 में विकास इंटर कॉलेज वाराणसी की टीम ने प्रयागराज मंडल की चौधरी भीख भवानी इंटर कॉलेज की टीम को 4-1 से हरा दिया। वाराणसी की ओर से सृष्टि पटेल और तनु यादव ने दो-दो गोल किए। अंडर-15 बालक वर्ग में विकास इंटर कॉलेज वाराणसी की टीम ने झांसी मंडल की एलबीएम कॉलेज को 5-2 से हराकर खिताब जीता।

कनाडा के गैब्रियल डायलो को हराकर टेलर फ्रिट्ज तीसरे दौर में, शेल्टन भी आगे बढ़े

टोरंटो। दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने कनाडा के छह फुट आठ इंच लंबे गैब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। फ्रिट्ज का सामना अब चेक गणराज्य के 19वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका से होगा जिन्होंने फ्रांस के 15वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रेंडन नकाशिमा को 6-7, 6-2, 7-6 से मात दी। अब वह इटली के 13वीं वरीयता प्राप्त फ्लावियो कोबोली से खेलेंगे। रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया। सातवी वरीयता प्राप्त अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने आस्ट्रेलिया के अलेक्जेंडर वुकिच को 6-3, 4-6, 6-3 से मात दी। अब वह ऑस्ट्रेलिया के ही एलेक्स डि मिनौर से खेलेंगे। दो बार की गत चैम्पियन जेसिका पेगुला नेशनल बैंक ओपन टूर्नामेंट के तीसरे दौर में अनास्तासिया सेवास्तोवा से 6-3, 4-6, 1-6 से हार गई। लातविया की 35 वर्ष की सेवास्तोवा 2018 में 11वीं रैंक पर थीं, लेकिन अब 386वें स्थान पर खिसक गईं। अब उनका सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-2, 6-4 से हराया। अन्य मैचों में विम्बलडन चैम्पियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जर्मनी की इवा लिस को 6-2, 6-2 से हराया। अब उनका सामना डेनमार्क की क्लारा टाउसन से होगा जिन्होंने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-0 से मात दी।

आकाश दीप ने खेली जिंदगी की सबसे बड़ी पारी

▶▶ ओवल में आकाश का जलवा

▶▶ ओवल टेस्ट में ठोका अर्धशतक, कोहली को पछाड़ा

लंदन। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने ओवल टेस्ट में इतिहास रच दिया. टीम इंडिया की दूसरी पारी के दौरान नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे इस तेज गेंदबाज ने मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड को बुरी तरह परेशान किया और एक यादगार अर्धशतक जमा दिया. इस टेस्ट सीरीज में अपना तीसरा ही मैच खेल रहे आकाश के करियर का ये पहला ही अर्धशतक था और इसके साथ ही उन्होंने अपने प्रोफेशनल करियर की सबसे बड़ी पारी खेल डाली. आकाश की इस पारी ने टीम इंडिया को ओवल टेस्ट में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया. शनिवार 2 जुलाई को ओवल टेस्ट के तीसरे दिन टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाया. टीम इंडिया ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट खोकर 75 रन बना लिए थे और तीसरे दिन नजरें इस बात पर थीं कि यशस्वी जायसवाल और आकाश दीप टीम इंडिया को कहां तक पहुंचाते हैं. आकाश को नाइट वॉचमैन के लिए इसलिए प्रमोट किया गया था क्योंकि वो बल्ले से भी कमाल करने की काबिलियत रखते हैं. पहली पारी में तो उन्हें मौका नहीं मिला और वो 0 के स्कोर नाबाद लौटे, मगर दूसरी पारी में इस खिलाड़ी ने अपना कमाल दिखा दिया. तीसरे दिन आकाश ने आते ही पहले ओवर में चौका जमा दिया और इसके बाद उन्हें रोकना मुश्किल हो गया. हालांकि, जब वो 21 रन पर थे, जब स्लिप में जैक क्रॉली ने उनका सीधा कैच टपका दिया. इसका फायदा भारतीय खिलाड़ी उठाया और अपने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक जमा दिया. आकाश ने 70 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. उनके प्रोफेशनल क्रिकेट करियर (फर्स्ट क्लास, लिस्ट-ए, टी20) का ये दूसरा ही अर्धशतक था. इससे पहले उन्होंने एक रणजी मैच में अर्धशतक जमाया था. मगर खास बात ये है कि ओवल में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी पारी खेली. रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 53 रन बनाए थे लेकिन ओवल में उन्होंने 66 रन की जोरदार पारी खेली।

कोहली को पीछे छोड़ा

इस पारी के दम पर आकाश ने यशस्वी जायसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 107 रन की यादगार और बेहद अहम साझेदारी की, जिसने टीम इंडिया की बढ़त को पहले सेशन में ही 150 रन के पार पहुंचा दिया. मजेदार बात ये है कि आकाश ने ओवल के मैदान पर महान भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया. पूर्व भारतीय कप्तान ने इस मैदान पर 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया था और उनका सबसे बड़ा स्कोर 50 रन का था. मगर आकाश ने अपनी पहली ही पारी में यहां कोहली को पीछे छोड़ते हुए उनसे भी बड़ा स्कोर बना दिया।

एफबी ने फ्रांस में आतंकी हमले के दौरान बिछड़ गए मां-बेटे को इस तरह मिलाया

पेरिस। फ्रांस के नीस शहर में शुक्रवार को नेशनल-डे का जश्न मना रहे लोगों पर ट्रक से हुए आतंकी हमले में जहां कई लोग मारे गए, वहीं इस दौरान मची भगदड़ में कई अपने परिजनों से बिछड़ भी गए। इन्हीं में से एक थे- मां-बेटा। बेटा भी महज 8 माह का था, जाहिर है वह कुछ बता नहीं सकता था। ऐसे में उसकी मां ने फ़ेसबुक का सहारा लिया और एक भावनात्मक पोस्ट किया। फिर क्या था फ़ेसबुक पर लोगों ने अभियान छेड़ दिया और उसे तब तक शेयर किया जब तक कि दोनों मिल नहीं गए। जानिए फ़ेसबुक ने मां-बेटे को कैसे मिलाया-
समाचार पत्र 'द मिरर' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद तियावा बैनर अपने आठ महीने के बेटे से बिछड़ गई थीं। उन्होंने बाद में फ़ेसबुक पर अपने बच्चे की गुमशुदगी को लेकर एक अपील पोस्ट की।

कुछ यूं लिखी अपील : अपने बच्चे की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए तियावा ने लिखा, "मेरा आठ महीने का बच्चा बिछड़ गया है। दोस्तों, यदि आपने उसे कहीं देखा है या वह आपके पास है, तो कृपया मुझसे संपर्क करें!!!" यह पोस्ट 21,000 से अधिक बार साझा की गई।

फ़ेसबुक ने मदद के लिए सक्रिय किया सुरक्षा फीचर : हमले की घटना के बाद दिन की शुरुआत में ही फ़ेसबुक ने अपना सेफ्टी चेक फीचर सक्रिय कर दिया था। प्रौद्योगिकी वेबसाइट सीएनईटी के मुताबिक, लगभग एक महीने में यह तीसरी बार है, जब सोशल नेटवर्किंग साइट ने अपने इस खास टूल को सक्रिय किया है। यह फीचर लोगों की अपने परिजनों या मित्रों के प्रभावित क्षेत्र में होने के बारे में सूचना देने में मदद करता है और इससे वे अपने सुरक्षित होने की जानकारी भी दे सकते हैं।

अच्छी खबरः कैंसर पीड़ित महिलाएं भी अब बन पाएंगी मां

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कीमोथेरेपी न सिर्फ बाल झड़ने या भूख घटने की वजह बनती है, बल्कि गर्भधारण की संभावनाओं पर भी बुरा असर डालती है। हालांकि ब्रिटेन में हाल ही में कैंसर से उबरने वाली एक महिला इलाज से पहले संरक्षित किए गए अंडाणुओं से मां बनने में कामयाब हुई है। इससे कैंसर पीड़ित महिलाओं को विज्ञान की मदद से मातृत्व सुख की सौगात देने की नई उम्मीदें जगी हैं।

ब्रिटिश महिला को मिला मातृत्व सुख : 31 वर्षीय ब्रिटिश महिला दस साल पहले किडनी के कैंसर का शिकार हुई थी। डॉक्टरों ने कीमोथेरेपी शुरू करने से पहले सर्जरी के जरिए महिला के अंडाशय का कुछ हिस्सा निकालकर फ्रीज कर दिया था, ताकि कैंसर से उबरने के बाद उसके मां बनने की संभावना बरकरार रहे। 2015 में कैंसर के सफल इलाज के दो साल बाद एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने संरक्षित अंडाशय को महिला के गर्भ में दोबारा प्रतिरोपित कर दिया। साल के अंत में वह अंडाशय में मौजूद स्वस्थ अंडाणुओं की मदद से प्राकृतिक रूप से गर्भधारण करने में कामयाब हुई। जून 2016 के अंत में महिला ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म भी दिया।

मुस्कुराहट ऐसे बनाएगी कामयाब व्यक्ति

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है।

मुस्कान तथा प्रसन्नता हमारे शरीर एवं मन पर आश्चर्यजनक प्रभाव डालते हैं और शोक, भय, क्लेश जैसी प्राणघातक वृत्तियों का उन्मूलन क्षण भर में कर डालते हैं और इसी वजह से आनंद को ईश्वरीय गुण कहा गया है, क्योंकि वह हमारे शरीर में मधुर रस उत्पन्न करता है और किसी अव्यक्त मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से शरीर और मन पर तत्काल शान्ति का अलौकिक प्रभाव डालता है।

डिक्शनरी की परिभाषा अनुसार मुस्कराहट, चेहरे का एक ऐसा भाव है जिसमें होठों के किनारे हल्के से ऊपर की तरफ उठ जाते हैं, और इससे एक व्यक्ति का उत्साह, उसकी रजामंदी या खुशी जाहिर होती है।

भौतिकता की अंधी दौड़ में भागते हुए इंसानों को संयोग से यदि कोई मुस्कुराता हुआ व्यक्ति दिख जाता है, तो उसे देखकर वे बड़े प्रसन्न हो जाते हैं और उसकी ओर आकर्षित होते हैं।

इसके पीछे का मूल कारण है 'सकारात्मक प्रभाव' जो केवल एक मुस्कान मात्र से व्यक्ति को अपने सर्व दुःख दर्द भुला देता है और सुख व संतोष की अनुभूति कराता है और इसीलिए ही मनुष्य को जब भी हंसने का अवसर मिले, तब जी भरके खूब हंसना चाहिए। याद रहे ! जो व्यक्ति हंसना नहीं जानता, वह जीना नहीं जानता।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है।

तभी तो कहते हैं कि जो सदा हंसता-मुस्कुराता है, वह अस्सी वर्ष की अवस्था में भी नौजवान लगता है, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत जो मन-मलीन और उदास रहता है, वह बीस वर्ष की आयु में भी बूढ़ा लगने लगता है। हंसने से फ़ेफड़ों को भी नवीन शक्ति मिलती है, जिससे शरीर का रक्त शुद्ध और सशक्त बनता है। आज एक तरफ अनेक प्रकार के टीवी सीरियल्स मनुष्यों को जबरदस्ती हंसाने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ महानगरों में बने विविध लाफिंग क्लस मानव के चेहरे पर जबरदस्ती हंसी लाने का अल्प प्रयास कर रहे हैं। परन्तु यह कृत्रिम हास्य में क्या मजा? असली मजा और आनंद तो वास्तविक मुस्कान में है, जो बदकिस्मती से हमें किसी के भी चेहरे पर दिखती नहीं है, क्यों?

इसका कारण है हमारे मन का मैल। जी हां ! जैसे दीपक की बाती में चाहे कितनी भी रोशनी हो पर उस पर लगे कांच के आवरण पर यदि मिट्टी या कालिमा लगी हो तो वह प्रकाश मैले कांच से अवरुद्ध हो जाता है एवं पूर्णरूपेण बाहर नहीं फैल सकता, ठीक इसी प्रकार से जब तक हमारे मन पर छल, कपट, ईर्ष्या, द्वेष, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार की कालिमा है, तब तक हमारी आत्मा की खुशी अवरुद्ध होती रहेगी और हमारे चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी नहीं, इसलिए सर्वप्रथम हमें इस कालिमा को दिव्य गुणों की धारणा द्वारा दूर करना होगा, अन्यथा हमारा जीवन इन्हीं अवगुणों के वशीभूत सदा दुखी व असंतुष्ट रहेगा। क्या हमने मनुष्य जन्म ऐसे ही रोते-बिलखते काटने के लिए लिया हैं या हंसते-खेलते और गाते-मुस्कराते हुए महोत्सव की भांति आनन्द लेने के लिए लिया है। तय आपको करना है, क्योंकि यह जीवन आपका है। हंसने से खत्म हो जाता है मनोविकारों का विष : हंसने से अनेक द्रव्य मस्तिष्क में प्रवाहित होते हैं जो हमें अनेक बीमारियों से बचाते हैं और तंदुरुस्त रखते हैं, इसीलिए ही हास्य को स्वास्थ्य का मूल-मंत्र माना गया है। ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध आदि उत्तेजनाओं से जो शारीरिक अस्त व्यस्तता उत्पन्न हो जाती है, मनोविकारों का जो विष अवयवों में संचित हो जाता है, वह हंसने से दूर हो जाता है।

अगर ये चीजें हैं आपके पास, तो चिंता की नहीं है बात

सही खाना ही अच्छी फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए जिम्मेदार होता है। वाकई खाने की कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो दिमाग के लिए अमृत का काम करती हैं। तनाव है, चिंता है, परेशानी है तो एक बार जरूर इन चीजों को आजमाएं...

डेयरी प्रोडक्ट

सभी डेयरी प्रोडक्ट्स में ट्रायफ्टोफन होता है। यह एक तरह का एमिनो एसिड है जो सेरेटोनिन प्रोड्यूस करता है, यह एक तरह का 'फील गुड हारमोन' है जो शरीर में बनता है। यानी दही जैसी चीजें खाने से मूड स्थिर रहता है और तनाव बढ़ने की संभावना कम हो जाती है।

ग्रीन टी

भले ही डॉक्टर्स और न्यूट्रीशनिस्ट्स आपको तनाव के दौरान हाय कैफीन लेने से मना करें लेकिन ग्रीन टी के लिए कभी इनकार नहीं करेंगे। सोने से कुछ घंटे पहले अगर आप ग्रीन टी पीते हैं तो आपके शरीर के सारे मसल्स रिलैक्स हो जाते हैं और अच्छी नींद आती है।

ककड़ी

ककडी भी एक शानदार विकल्प है। इसे आसानी से छीला जा सकता है और किसी भी सैंडविच या सलाद में शामिल किया जा सकता है। इनमें जबरदस्त मात्रा में पौटेशियम होता है। ककडी खाने से स्ट्रोक और कार्डियो वस्कूलर बीमारियों की आशंका कम हो जाती है। इससे दिमाग स्थिर रहता है और आप रिलैक्स महसूस करते हैं।

ड्राय फ्रूट्स

अखरोट जैसे कुछ ड्राय फ्रूट्स में हेल्दी फ़ेट्स तो होते ही हैं, यह ग्रेट ऐनर्जी बूस्टर भी हैं। दिमाग में ऊर्जा की कमी होती है तो ही तनाव, परेशानी अपने पैर फैलाते हैं। और अगर ऊर्जा की जबरदस्त कमी हो जाए डिप्रेशन भी आ जाता है। खाने के बीच स्नैक्स लेना इसलिए जरूरी हो जाता है। ऐनर्जी लेवल बनाए रखने के लिए ड्राय फ्रूट्स भी अच्छा ऑप्शन हैं।

डिप्रेशन को भगाना है तो खुद से प्यार करे

डिप्रेशन इस समय की सबसे गंभीर समस्या है। अमेरिका में स्थिति इतनी भयावह है कि 12 वर्ष से अधिक उम्र का हर 10 में से 1 व्यक्ति डिप्रेशन की दवाई ले रहा है। कई मौकों पर तो इन दवाओं की जरूरत ही नहीं है क्योंकि जीवनशैली में कुछ मामूली बदलावों के जरिए ही डिप्रेशन पर जीत दर्ज की जा सकती है।

लंबी वॉक पर जाना

एक्सरसाइज या पैदल चलने से एंडोर्फिन रिलीज होता है जो डिप्रेशन से लड़ने में मदद करता है। अपने मस्तिष्क और शरीर को रिलेक्स होने का समय दीजिए। पैदल चलिए या प्रकृति के सानिध्य में समय बिताइए ताकि आप अच्छा महसूस कर सकें।

धूप में निकलिए

गुनगुनी धूप भी आपको डिप्रेशन से लड़ने में मदद करती है। धूप विटामिन 'डी'' का अच्छा स्रोत है। विटामिन 'डी'' डिप्रेशन को कम करने में खासा मददगार होता है।

किताब पढ़िए

ऐसी कोई किताब पढ़िए जो आपको रोचक लगती हो। किताब के साथ आप ऐसे सफर पर निकल जाते हैं जहां आपके आसपास की चिंताएं पीछे छूट जाती हैं। किताबें डिप्रेशन से लड़ने में आपकी सहायता कर सकती हैं।

अच्छा खाएं

एक ही बार में ज्यादा खाना या फिर बहुत ज्यादा शकर और वसायुक्त भोजन आपको डिप्रेशन की स्थिति में धकेल सकता है। कम मात्रा में हेल्दी फूड जैसे डार्क चॉकलेट, अखरोट और सूखे मेवे आपके मूड को बेहतर रखने में मददगार होते हैं।

खुद से प्यार कीजिए

जब भी कभी ऐसा लगे कि आप दूसरों से कमतर हैं तो वह काम कीजिए जो आप सबसे अच्छे तरीके से कर सकते हैं। अपने दिल को जो भी बातें पसंद हों उन्हें ज्यादा समय दीजिए ताकि आप खुशी महसूस कर सकें। हर हाल में खुश रहें।

जीवनशैली में परिवर्तन करके ठीक करें लो ब्लड प्रेशर

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

ऐसे उपजती है तकलीफ

ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है। जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है।

कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

लक्षणों को लेकर रहें सतर्क

लो ब्लड प्रेशर के ऐसे केसेस जहां लक्षण नहीं होते, सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। लक्षणों में मुख्य रूप से शामिल हैं:

- चक्कर आना या सिर घूमना
- चक्कर खाकर गिर जाना
- एकाग्रता में कमी होना
- धुंधला दिखाई देना, नौशिया
- त्वचा का ठंडा पड़ जाना
- त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना
- सांस का असामान्य होना
- थकान लगना आदि।

डाइट में चुनें सही विकल्प

भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है। कुछ इस तरह उपाय अपनाएं:

पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है

लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा

अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए

भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए

आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रैड जैसे हाई कार्बोहाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें

अल्कोहल का सेवन बंद करने की कोशिश करें

चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें

व्हाइट चौला फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या के लिए सुपरफूड हो सकते हैं।

जानिए तुलसी के स्वास्थ्यवर्धक लाभ

प्राचीन काल से ही तुलसी का प्रयोग औषधि के रूप में किया जाता रहा है। वर्तमान समय में भी आयुर्वेद और घरेलू उपचार के रूप में तुलसी का अत्यधिक महत्व है। आइए जानते हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में तुलसी का प्रयोग किस तरह से किया जाता है।

तुलसी के पत्तों का प्रयोग, सर्दी जुकाम, खांसी, बुखार, सांस संबंधी समस्याओं के उपचार में तो किया ही जाता है, इसके अलावा स्मरण शक्ति को बढ़ाने, आंखों की समस्याओं को दूर करने, मुंह के छालों की दवा के रूप में, पेशाब संबंधी रोगों एवं रक्त व हृदय संबंधी रोगों के उपचार में भी तुलसी का बेहद महत्व है।

- सर्दी-खांसी होने पर तुलसी की चाय या तुलसी के रस का सेवन काफी लाभदायक होता है। इसके अलावा कफ होने पर तुलसी को काली मिर्च के चूर्ण के साथ खाना फायदेमंद होता है।
- त्वचा संबंधी रोगों के उपचार के लिए तुलसी के पत्तों के रस को नींबू के रस में मिलाकर लगाने से लाभ होता है। इसके लिए तुलसी के पत्तों का लेप भी चेहरे पर लगाया जाता है। फोड़े-फुंसी होने पर भी तुलसी के पत्तों का लेप लाभदायक होता है।
- पेट में दर्द होने पर तुलसी रस और अदरक का रस समान मात्रा में लेने से दर्द में राहत मिलती है। यह पाचन तंत्र को सुचारू रूप से कार्य करने में सहयता कर, पाचन को बेहतर बनाता है।
- गले की समस्याओं जैसे गले में सूजन या खराश को दूर करने के लिए तुलसी के बीजों को शक्कर के साथ प्रयोग करने पर काफी लाभ मिलता है।

रेसिपी

कम समय में ऐसे बनेंगे ओट्स पराठे

सामग्री

दो कप गेहूं का आटा
एक कप ओट्स
नमक स्वादानुसार
जरूरत के हिसाब से तेल
मिर्च पावडर, अमचूर पावडर

विधि

ओट्स पराठे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में गेहूं का आटा, एक चम्मच तेल, नमक और पानी मिक्स कर के आटा तैयार कर लीजिए। इसके बाद एक दूसरे कटोरे में ओट्स को थोड़े से गुनगुने पानी में भिगो लें। फिर पानी छान कर ओट्स को किनारे रख दें। अब ओट्स में नमक और मिर्च पावडर मिक्स करें। आटे की लोइयां ले कर बेल लें, उसके बीच में ओट्स का एक चम्मच मिश्रण भरें। अब आटे को अच्छी तरह से बंद कर के पराठा बेल लें। इसके बाद एक नॉन स्टिक पैन में थोड़ा सा तेल गरम करें और उसमें पराठा डाल कर दोनों ओर थोड़ा भूरा होने तक सेंके। इसी तरह से और भी पराठे बनाएं और दही, अचार या सालाद के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं स्वादिष्ट पालक पराठा

सामग्री

एक कप पालक
दो कप आटा
दो कटी हुई हरी मिर्च
एक चुटकी हींग
तेल

विधि

पालक पराठा बनाने के लिए सबसे पहले साफ पानी से पालक को धो लें। इसके बाद उसे बारीक-बारीक काट लें। अब इसके बाद आटें में पालक, हींग, नमक, एक चम्मच तेल और पानी डालकर गूंथ लें। आटे को थोड़ी देर ऐसे ही रखने के बाद उसके पराठे बेल लें। इसके बाद उसे अच्छे से तेल में सेंक लें। अब आपका पराठा तैयार है, इसे सर्व कर सकते हैं।

निजी जिंदगी पर ट्रोल करने वालों को सबा ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की अभिनेत्री सबा आजाद अकसर ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड होने को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल होती हैं। हाल ही में उन्होंने स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वह सोशल मीडिया पर असहज होती हैं। जब भी उन्हें सोशल मीडिया पर कोई ट्रोल करता है, तो वह इससे प्राभवित होती हैं।

सोशल मीडिया से नहीं रह सकते दूर सबा आजाद ने कहा कि सोशल मीडिया थोड़ा अजीब है। उन्होंने कहा कि मैं लगातार तीन दिन तक पोस्ट करती हूं और फिर एक महीने के लिए गायब हो जाती हूं। यह कलाकारों के लिए एक तरह का पोर्टफोलियो बन गया है। इससे ऐसे रिश्ता है कि इसके साथ नहीं रह सकते न ही इसके बिना रह सकते हैं। जैसे-जैसे लोगों में असंतोष बढ़ता है, वैसे-वैसे ऑनलाइन इस तरह का व्यवहार भी बढ़ता है।

चमड़ी मोटी हो गई है

सबा ने आगे कहा कि अगर आप खुश इंसान हैं तो आप एक फेक अकाउंट बनाकर किसी को ट्रोल नहीं करेंगे। हम उस इंसान की फिक्र क्यों करें जो बिना नाम, बिना चेहरे का है और अपनी जिंदगी से निराश है। सबा ने आगे कहा कि उन्हें इतना ट्रोल किया गया है कि अब उनकी चमड़ी मोटी हो गई है। सबा ने बताया कि नाराज होने के बजाए दूसरा रास्ता यह है कि इसे देखा जाए। मैं दुखी हूं कि ट्रोलर्स को ये सब करना पड़ा रहा है। सबा ने आगे कहा शुरूआत में मैंने सोचा कि अगर मैं अपने काम पर ध्यान दे रही हूं, तो आपको क्या दिक्कत है? लेकिन फिर, जब मैंने इस पर विचार किया, तो मुझे एहसास हुआ कि यह सिर्फ दुखद है, और इसके लिए अपनी नींद खराब करना जरूरी नहीं है। लेकिन अब मेरी चमड़ी मोटी हो गई है। मैंने भले ही लंबे वक्त तक दूसरा गाल आगे कर रखा हो, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझमें अभी भी जवाब देने की ताकत है। अब आप मुझसे ये उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं खामोश रहूं। मुझे परवाह नहीं कि अब लोग मुझे क्या कहेंगे। हाल ही में जब हू इज योर गाइनैक के दूसरे सीजन का शो रिलीज किया गया तब किसी ने कहा कि वह ऋतिक की गर्लफ्रेंड हैं इसलिए उन्हें काम करने की जरूरत नहीं है। इस पर सबा ने ट्रोलर को जवाब दिया था।

रिश्ते के बारे में

सबा और ऋतिक रोशन ने साल 2022 में एक दूसरे को डेटिंग करना शुरू किया। दोनों ने अपने रिश्ते का ऐलान अक्टूबर 2022 में किया। तब ऋतिक ने सबा के साथ तस्वीर शेयर की थी। तभी से सबा को ऋतिक की गर्लफ्रेंड होने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में सबा आजाद को क्राइम बीट में देखा गया। इस फिल्म में सबा के अलावा सुधीर मिश्रा और संजीव कौल हैं। इसमें साकिब सलीम, राहुल भट्ट के अलावा दानिश हुसैन हैं। यह फिल्म सोमनाथ बताब्याल की नॉवेल द प्राइस यू पे पर आधारित है। इसमें खोजी पत्रकारिता और रिपोर्टिंग के बारे में दिखाया गया है।

मुश्किल में फंसी तृप्ति डिमरी की 'धड़क 2

पिछले साल सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क 2' की घोषणा की गई थी। फिल्म नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, बाद में इसे साल 2025 तक के लिए टाल दिया गया। इस बीच चर्चा थी कि यह फिल्म इस साल होली के त्यौहार के आस-पास रिलीज हो सकती है। होली तो नजदीक आ रही है, लेकिन फिल्म का प्रमोशन अभी तक शुरू नहीं हुआ है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक 'धड़क 2' को सीबीएफसी से प्रमाणन प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं विस्तार सेज किस समस्या का करना पड़ रहा सामना? बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार पोर्टल को एक सूत्र ने बताया, धड़क 2 जाति के मुद्दों पर आधारित है और एक चौंकाने वाली कहानी है। सीबीएफसी की जांच समिति ने इस तरह की फिल्म के लिए निर्माताओं की सराहना की, लेकिन इसके कंटेंट की वजह से वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि फिल्म को क्या रेटिंग दी जानी चाहिए और कौन से सीन काटे जाने चाहिए, यदि कोई ऐसा सीन हो।

सेंसर की मंजूरी के बाद शुरू होगा प्रमोशन?

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक ट्रेड एक्सपर्ट ने पोर्टल को बताया कि 'धड़क 2' के निर्माता सेंसर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही फिल्म का प्रमोशन शुरू करेंगे। इसलिए, अगर उन्हें सीबीएफसी से मंजूरी मिल जाती है, तो 'धड़क 2' 14 मार्च को रिलीज हो सकती है या इसके डेट को आगे बढ़ाया जा सकता है।

तमिल वर्जन पास तो 'धड़क 2' पर क्यों सवाल?

कहा जा रहा है कि 'धड़क 2' तमिल फिल्म 'परीयेरुम पेरुमल' का रीमेक है और इस फिल्म को सीबीएफसी के साथ किसी भी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा था। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि इसकी कहानी भी वही होगी तो फिर इस फिल्म पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'धड़क' भी इसी विषय पर आधारित थी। जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी। फिल्म का मोशन पोस्टर जब रिलीज हुआ था, तो उस पर लिखा था, एक था राजा, एक थी रानी। जात अलग थी खतम कहानी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म जातीय मुद्दों पर आधारित होगी।

क्या शाहरुख खान की 'पठान' का बनेगा प्रीक्वल? जॉन अब्राहम ने कहानी को लेकर हिंट दिया

इन दिनों जॉन अब्राहम अपनी फिल्म 'डिप्लौमेट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लौमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर तो जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल भी बनाएं।

बनना चाहिए 'पठान' का प्रीक्वल

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए गए एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं किसी फ्रैंचाइजी फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म 'पठान' में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था।' आगे वह कहते हैं, 'आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे।

कहानी को लेकर क्या बोले जॉन

फिल्म 'पठानी' की कहानी को लेकर भी जॉन बताते हैं कि उनके किरदार जिम के पास्ट के बारे में दर्शकों को पता होना चाहिए। दरअसल, वह मानते हैं कि जिम के किरदार में दम है, उसकी कहानी अच्छी बन सकती है। साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यशराज यूनिवर्स की फिल्म 'वॉर' में उनके किरदार जिम के लिए कोई संभावना बन सकती है। तो इस पर भी जॉन का कहना है कि कुछ भी संभव हो सकता है।

पठान में विलेन बने थे जॉन

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। शाहरुख के किरदार पठान को यह किरदार अच्छी खासी टक्कर देता है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी एक अहम रोल नजर आईं।

इन फिल्मों में भी आएंगे नजर

जॉन अब्राहम फिल्म 'डिप्लौमेट' के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें 'तेहरान' और 'तारिक' जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

तंडेल की सफलता के बाद डीजे बने नागा चैतन्य

नागा चैतन्य इन दिनों अपनी फिल्म तंडेल की सफलता का जश्न मना रहे हैं। अब नागा चैतन्य की एक प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पति की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे डीजे बन गए हैं। नागा चैतन्य ने डीजे की भूमिका निभाई और अपने अंदर के संगीतकार को डेक पर उतारा। फोटो में नागा चैतन्य को प्रोफेशनल सेटअप के साथ म्यूजिक मिक्सिंग में व्यस्त दिखे। स्वेटर के साथ कैजुअल कपड़े पहने वह अपने गले में हेडफोन लटकाए डीजे की तरह ध्यान केंद्रित करते हुए दिख रहे थे। शोभिता ने तस्वीर साझा करते हुए चैतन्य को टैग किया और दिल वाले इमोजी भी बनाए।

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने मार्को निर्देशक के साथ मिलाया हाथ, एक्शन फिल्म पर साथ करेंगे काम

मलयालम सिनेमा के एक्शन स्टार हनीफ अदेनी बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और वह इसे अपने स्टाइल में कर रहे हैं। मार्को की भूमिका में धमाल मचाने के बाद फिल्म निर्माता को किसी और ने नहीं, बल्कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने एक धमाकेदार एक्शन फिल्म के लिए साइन किया है, जो जितनी दमदार है, उतनी ही मजेदार भी है। द ग्रेट फादर (2017) और मिखेल (2019) जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले हनीफ अदेनी ने एक बार फिर मार्को के साथ अपनी प्रतिभा साबित की, जो एक क्रूर और अथक एक्शन से भरपूर फिल्म है। अब, वह अपनी सिग्नेचर हाई-इम्पैक्ट स्टोरीटेलिंग को हिंदी सिनेमा में लाने के लिए तैयार हैं। कथित तौर पर आगामी प्रोजेक्ट को बहुभाषी रिलीज के लिए प्लान किया जा रहा है। फिल्म के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

आधिकारिक एलान का इंतजार

हनीफ अदेनी के जुड़ने से धर्मा प्रोडक्शंस बैनर बड़े पर्दे पर एक्शन की उम्मीद जगा रहा है। दूसरी ओर इसके आधिकारिक एलान का इंतजार है। साथ ही कलाकारों की घोषणा होनी भी बाकी है। हनीफ अदेनी एक फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक हैं, जो मलयालम सिनेमा में काम करते हैं। उन्होंने 2017 की फिल्म द ग्रेट फादर से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। पटकथा लेखक के रूप में उनका अगला काम अमीर है, जिसमें ममूटी मुख्य भूमिका में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस अब कई प्रोजेक्ट्स की रिलीज की तैयारी कर रहा है, जिनमें से एक है- केसरी- चैप्टर 2, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे स्टारर यह फिल्म राजनेता और वकील सी. शंकरन नायर के इर्द-गिर्द घूमती वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। इसके साथ ही, धड़क 2 भी है, जो 2018 की तमिल फिल्म परियेरम पेरुमल पर आधारित एक शक्तिशाली लव ड्रामा है, जिसमें तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में हैं।

संजय दत्त ने बताया, कब तांडव मचाएगी 'द भूतनी'

अभिनेता संजय दत्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता ने बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर सोशल मीडिया पर अपकमिंग एक्शन-हॉरर कॉमेडी के टाइटल के साथ ही रिलीज की तारीख भी बताई। इंस्टाग्राम पर एक्टर का पोस्ट शेयर करते हुए सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम 'द भूतनी' रखा गया है। यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता संजय दत्त ने लिखा, इस गुड फ्राइडे, डर को एक नई डेट मिल गई है। पहले से कहीं ज्यादा हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए! 'द भूतनी' मचाएगी तांडव।

बता दें, पहले अपकमिंग फिल्म का नाम 'द वर्जिन ट्री' था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर 'द भूतनी' रख दिया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का एक छोटा टीजर भी शेयर किया, जो हमें रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाती है, जहां प्यार, अंधकार में बदल जाता है। सिद्धांत सचदेव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स के तहत दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने फिल्म का निर्माण किया है। निर्माताओं ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर फिल्म का एक डरावना पोस्टर शेयर किया था, जिसमें घोषणा की थी कि प्रोजेक्ट का टाइटल और रिलीज की तारीख 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर सामने आएगी। पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, महादेव की भक्ति में शक्ति है! बहुत हुआ इंतजार! बाबा तारीख तय कर रहे हैं! वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त के पास बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'वेलकम टू द जंगल' भी है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त के साथ अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, लारा दत्ता, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, संजय दत्त के पास 'सन ऑफ सरदार 2' भी है, जिसमें वह अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के साथ मुख्य भूमिका में हैं। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में तैयार इस फिल्म का निर्माण अजय देवगन ने जियो स्टूडियो के सहयोग से देवगन फिल्म्स के बैनर तले किया है।

निर्देशक अरुण माथेश्वरन की फिल्म में दिखेंगे अक्षय

अक्षय कुमार पिछली बार फिल्म स्काई फोर्स में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई की थी। हालांकि, अक्षय ने फिल्म में अपने अभिनय के जरिए खूब वाहवाही लूटी थी। आने वाले दिनों में अक्षय की कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं और अब उनके खाते से एक नई फिल्म जुड़ गई है। दरअसल अक्षय निर्देशक अरुण माथेश्वरन की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अरुण बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और अपनी पहली हिंदी फिल्म के लिए वह अक्षय के साथ बातचीत कर रहे हैं। अक्षय को उनकी फिल्म की कहानी पसंद आई है और वह इसका हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी भी दे चुके हैं। फिल्म एक्शन थ्रिलर होने वाली है। फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी जिले के सेवापुरी स्थित बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रावण मास में काशी आगमन पर सभा स्थल पर जीआइ रजिस्टर्ड बनारस मेटल रिपोजी क्राफ्ट से निर्मित सम्पूर्ण शिवलिंग, पांच फन नाग, नंदी, प्रसाद, कलश में गंगा जल, त्रिशूल, चंदन भस्म, और मीनाकारी की चौकी पर सुशोभित कलाकृति को भेंट की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण किया तथा 'पीएम किसान सम्मान निधि' की 20वीं किस्त भी जारी की।

जेवर ब्लॉक के कई स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा खतरे में, नए भवन बने लेकिन जर्जर ढांचे अब भी खड़े

ग्रेटर नोएडा। जेवर में शासन जहां परिषदीय स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के प्रयास कर रहा है, वहीं बच्चों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही भी उजागर हो रही है। जेवर ब्लॉक के कई प्राथमिक विद्यालयों में नए भवन तो बना दिए गए हैं, लेकिन जर्जर पुराने भवनों को आज तक ढहाया नहीं गया। इन खतरनाक इमारतों के कारण बच्चों की जान पर हर रोज़ जोखिम मंडराता है।

प्राथमिक विद्यालय पंचायतन में 55 बच्चे पंजीकृत हैं। यहां वर्ष 2000 से पहले बना भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है, लेकिन आज भी स्कूल परिसर में खड़ा है। नया भवन बन चुका है, मगर खेलने की जगह सीमित होने के कारण लंच टाइम में बच्चे अक्सर उस जर्जर भवन में पहुंच जाते हैं। यह स्थिति किसी बड़े हादसे को दावत दे सकती है।

प्राथमिक विद्यालय घंघोला, जहां 150 छात्र पढ़ते हैं, वहां भी नया भवन बनने के बावजूद पुराना खतरनाक ढांचा जस का तस मौजूद है। शिक्षक बताते हैं कि कई बार मना करने पर भी बच्चे इंटरवेल के दौरान जर्जर भवनों के पास पहुंच जाते हैं।

इसी तरह, प्राथमिक विद्यालय चचूला में भी 63 छात्र पंजीकृत हैं। वर्षों पुराने भवन को जर्जर घोषित कर नया भवन तो खड़ा कर दिया गया, लेकिन पुराने ढांचे को गिराया नहीं गया। बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला प्रशासन की अनदेखी की मिसाल बन गया है।

कुछ शिक्षकों ने बताया कि वे विभागीय अधिकारियों को बार-बार लिख चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब वे खुद चौकसी करते हैं कि बच्चे जर्जर इमारतों में न जाएं। कुछ स्कूलों में शिक्षक मजबूरी में उन पुराने कमरों का उपयोग वाहन खड़ा करने के लिए भी कर रहे हैं।

इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने कहा, जर्जर भवनों को ढहाने के लिए पीडब्ल्यूडी को पत्र भेजा गया है। जल्द ही मूल्यांकन और नीलामी की प्रक्रिया के बाद ध्वस्तीकरण शुरू किया जाएगा।

बालक इंटर कालेज में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतम बुद्ध बालक इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा में चित्र बनाओ प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया।

भारतीय मानव ब्यूरो नोएडा शाखा के तत्वावधान में गौतम बुद्ध बालक इंटर कॉलेज में सतत विश्व को बढ़ावा देना विषय पर चित्र बनाओ प्रतियोगिता व ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन मैंटर गरिमा गर्ग द्वारा किया गया व मार्गदर्शन भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारी विश्वेंद्र सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों को पर्यावरण की समस्याओं व संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से हो रहे नुकसान के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक संरक्षण व हरित भविष्य को अपने चित्रों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया प्रतियोगिता के विजेता आर्यन कुमार कक्षा 11 में प्रथम स्थान तनिष्क नेगी कक्षा 11 द्वितीय स्थान अंशु कक्षा 12 तृतीय स्थान एवं आनंद कक्षा 10th रहे। आयोजन विद्यालय के शिक्षक कारण अनु सिंह, जवाहर सिंह, केके शर्मा, प्रियंका अग्रवाल एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर राजीव कुमार ने विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

एस्टर पब्लिक स्कूल एक्सटेंशन बना ओवरऑल विजेता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एस्टर पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित पैनोरमा 2025-26 में प्री-प्राइमरी से कक्षा बारहवीं तक के छात्रों के मध्य विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन में प्रतिभाग करने वाले विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, तर्कशक्ति, कलात्मकता और नवाचार से सभी को प्रभावित किया।

"Hear It Out" प्रतियोगिता में जे.एस.एस. पब्लिक स्कूल, नोएडा ने प्रथम, पैसेफिक वर्ल्ड स्कूल ने द्वितीय और एस्टर पब्लिक स्कूल के.पी.1 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा एक व दो के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक में सेंट जॉन्स स्कूल प्रथम, पैसेफिक वर्ल्ड स्कूल द्वितीय तथा डी.पी.एस. ग्रेटर नोएडा तृतीय स्थान पर रहा। अंग्रेजी विभाग की 'शेक्सपियर नाट्य प्रस्तुति' प्रतियोगिता में पैसेफिक वर्ल्ड स्कूल प्रथम, जे.एस.एस. नोएडा द्वितीय, तथा एस्टर पब्लिक स्कूल के.पी.1 तृतीय स्थान पर रहे।

पैनोरमा 2025-26 की सभी प्रतियोगिताओं में एस्टर पब्लिक स्कूल नोएडा एक्सटेंशन ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर ओवरऑल विजेता का खिताब प्राप्त किया, जबकि पैसेफिक वर्ल्ड स्कूल उपविजेता रहा।

कार्यक्रम के समापन पर एस्टर समूह संस्थान के अध्यक्ष डॉ. वी. के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्या श्रीमती प्रीति शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि डॉ. वी. के. शर्मा द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य जयवीर सिंह डागर ने सभी प्रतिभागियों एवं शिक्षकगणों के प्रति आभार प्रकट किया ।

एक्सपो मार्ट में Wellfest India-2025

ग्रेटर नोएडा में लगा आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी पद्धति को दर्शाने वाला मेला

'2030 में वैश्विक आयुर्वेद बाजार 76.9 बिलियन डालर पर पहुंचेगा'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एक स्वस्थ और समावेशी भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए Wellfest India 2025 का भव्य उद्घाटन पद्मश्री डॉ. एन.के. पांडे, चेयरमैन, एशियन ग्रुप ऑफ मेडिकल इंस्टीट्यूट द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया गया। इस अवसर पर डॉ. नितिन अग्रवाल (अध्यक्ष, आयोजन समिति, आयुरयोग एक्सपो), डॉ. नीरज खन्ना (अध्यक्ष, EPCH), अवधेश अग्रवाल (मुख्य संयोजक, EPCH) और सचिन सिन्हा (CFO, इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड)मौजूद रहे। यह महोत्सव 5 अगस्त तक चलेगा।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि डॉ. एन.के. पांडे ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है जो आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से लागू करने में सहायक होगी। यदि हम दीर्घकालिक दृष्टिकोण से इस दिशा में कार्य करें, तो यह देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को क्रांतिकारी रूप से बदल सकता है। हालांकि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मांग और आपूर्ति को लेकर अभी भी भारी अंतर है, जिसे केवल एलोपैथी से पाटना संभव नहीं।

डॉ. नितिन अग्रवाल ने आयुष क्षेत्र की मजबूती पर बोलते हुए कहा कि "Ayuryog E&po भारत की वेलनेस विरासत का एक समग्र प्रतिनिधित्व है, जिसमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध और यूनानी पद्धतियों को दर्शाया गया है। यह मंच आयुष की व्यापक संभावनाओं को सामने लाता है—from सतत चिकित्सा से लेकर हर्बल दवाओं और समग्र स्वास्थ्य समाधानों तक। वैश्विक आयुर्वेद बाजार 2023 में USD 14.4 बिलियन से बढ़कर 2030 तक SD 76.9 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है।

डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष, EPCH ने कहा कि जब वेलनेस अर्थव्यवस्था तेज़ी से फल-फूल रही है, ऐसे समय में Wellfest India जैसे मंचों को सरकारी सहयोग मिलना अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. राकेश कुमार, चेयरमैन, इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड ने कहा कि "Wellfest India पारंपरिक चिकित्सा, निवारक स्वास्थ्य सेवा और आधुनिक वरिष्ठ देखभाल को एकीकृत करते हुए एक ऐसा इकोसिस्टम बनाता है जो सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त है।